@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 8 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 335 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यूपी के 7 जिलों में बाढ़

• लखनऊ में 6 दोस्त बहे • उत्तराखंड और हरियाणा में ओले गिरे

एमपी-बिहार समेत 9 राज्यों में बारिश का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों से मानसून लौट चुका है। हालांकि, मध्य प्रदेश के 16 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 3 दिन बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब में बारिश की संभावना है। पहाड़ों पर हुई बारिश से यूपी में 10 नदियां उफान पर हैं। लखनऊ और सीतापुर समेत 7 जिलों में और गोंडा के 10 गांवों में अभी भी बाढ़ है। लखनऊ के इटौंजा में बाढ़ के पानी के तेज बहाव में 6 दोस्त बह गए। एक की मौत हो गई। 5 को बचा लिया गया। उन्नाव में दीवार गिरने से महिला की मौत हो गई। उत्तराखंड के कई हिस्सों में मंगलवार शाम बारिश और में रखी धान की फसल और ट्रालियों में लदी उपज भीग गई।

बर्फबारी हुई। देहरादून में बारिश हुई जबकि अल्मोड़ा और उत्तरकाशी में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं, हरियाणा के पंचकूला में भी ओले गिरे। यमुनानगर में हुई तेज बारिश के कारण मंडियों में खुले बिहार के मुंगेर, गयाजी, बांका मोतिहारी में मंगलवार को बारिश हुई। 6 जिलों के करीब 466 गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। करीब 8 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

26 जिलों में बारिश का अलर्ट, 30-40 किमी रफ्तार से हवा चल सकती है

छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर बदल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक आज (बुधवार) प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। रायपुर समेत 26 जिलों में शाम से रात तक गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अचानक तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है।

मोदी 50 मिनट में 19 बार बोले-वी विल डू इट

• कहा- भारत के विकसित होने तक न थकूंगा, न रुकूंगा ; बतौर पीएम-सीएम 25 साल पूरे, रिकॉर्ड बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। 'वी विल डू इट... हम करके दिखाएंगे।' पीएम मोदी ने बुधवार को अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने एक घंटे की स्पीच में कहा, 'जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं महत्वाकांक्षा नहीं, मिशन के लिए जीता हूं। जिसने मुझे गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया। जिसने मेरा विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति समझाई।' उन्होंने कहा कि 25 साल पीछे मुड़कर देखने पर उपलब्धियों से ज्यादा कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने कुछ सिखाया और नम्र होना सिखाया। ईश्वर से यही मांगा कि सीखने की इच्छा कभी कम न हो।

'25 साल में देश कहां पहुंचा, यह देखना जरूरी'

मोदी ने कहा, 'हमने इस राष्ट्र में जन्म लिया है, ये एहसास ही अमृत है। इसके सामने सत्ता सुख कुछ नहीं है। पद-प्रतिष्ठा तो कहीं भी मिल सकती है, लेकिन भारत जैसी पुण्यभूमि नहीं मिलेगी। 25 सालों का आकलन इससे नहीं होगा कि मैं कहां पहुंचा, बल्कि इससे होगा कि मेरा देश कहां पहुंचा।'

जम्मू-कश्मीर में परिसीमन भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया: उमर अब्दुल्ला

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था और एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल भी इसी पार्टी की मदद के लिए किया जा रहा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि परिसीमन के कारण केंद्र शासित प्रदेश को पहले ही नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में परिसीमन भाजपा को समर्थन देने के लिए किया गया था। वे एसआईआर का इस्तेमाल इसी पार्टी की मदद के लिए कर रहे हैं। वे देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसा कर रहे हैं और हो सकता है कि वे जम्मू-कश्मीर में भी ऐसा करें, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में नोटिस जारी किए जाने के बाद, अब भाजपा की मदद के लिए फॉर्म 7 का दुरुपयोग करना इतना आसान नहीं होगा।

50 विश्वस्तरीय ए0आई0 स्टार्ट-अप स्थापित करने में सरकार सहयोग देने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि 10 वर्ष पूर्व एच0सी0एल0 ने लखनऊ को चुना और लखनऊ ने एच0सी0एल0 को अपनाया। दोनों की साझा यात्रा पर आज प्रदेश के लोग गौरव की अनुभूति कर सकते हैं। एच0सी0एल0 के युवा प्रोफेशनल्स आगामी 05 वर्षों में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्ण सहयोग के साथ लखनऊ पहुंचाने के लिए सशक्त नवाचार ईको सिस्टम तैयार करने में प्रदेश सरकार पूरा सहयोग देने के लिए तत्पर और प्रतिबद्ध है। युवा प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत के विजन से जुड़ें। आगामी 21 वर्षों में भारत को दुनिया के विकसित देशों की अग्रिम पंक्ति में पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री जी ने एच0सी0एल0 की वैश्विक यात्रा की स्वर्ण जयन्ती तथा

को भारत की अग्रणी ए0आई0 इनोवेशन सिटी के रूप में स्थापित करने के अभियान का हिस्सा बनें। एच0सी0एल0 को भी इस दिशा में सहयोग का प्रस्ताव दिया गया है। मुख्यमंत्री जी आज यहां एच0सी0एल0 टेक के एच0सी0एल0 आई0टी0 सिटी लखनऊ के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्हांने एच0सी0एल0 आई0टी0 सिटी लखनऊ में फेज-2 के तहत विस्तारीकरण कार्य का शिलान्यास किया तथा 'इमर्जिंग टेक स्किलिंग सेण्टर' का उद्घाटन किया तथा एच0सी0एल0 के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने एच0सी0एल0 फाउण्डेशन की विभिन्न पहलों से जुड़े लाभार्थियों को सम्मानित किया तथा एच0सी0एल0 टेक कार्मिकों से संवाद किया। इस अवसर पर एच0सी0एल0 आई0टी0 सिटी लखनऊ के 10 वर्ष की यात्रा पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गयी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में कम से कम 50 विश्वस्तरीय ए0आई0 स्टार्ट-अप स्थापित करने, उन्हें मजबूत बनाने और वैश्विक बाजार तक लखनऊ आई0टी0 सिटी के 10वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि एच0सी0एल0 की 05 दशक की यात्रा इसके संस्थापक श्री शिव नाडर ने उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ की थी। उत्तर प्रदेश की धरती से शुरू हुई यह यात्रा आज वैश्विक यात्रा बन चुकी है। इसी विजन के साथ श्री नाडर ने 10 वर्ष पूर्व लखनऊ में इस यात्रा को नई पहचान देने का संकल्प लिया था। जब उत्तर प्रदेश का युवा प्रदेश में ही रहकर दुनिया के लिए तकनीक तैयार करता है, तो सबसे अधिक खुशी उसके माता-पिता को होती है। एक समय प्रदेश के युवाओं को अच्छी डिग्री प्राप्त करने के उपरान्त कैरियर निर्माण के लिए दिल्ली, मुम्बई, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों को जाना प ?ता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब प्रदेश का युवा अपने कैरियर के लिए लखनऊ को चुन रहा है और दुनिया का युवा उत्तर प्रदेश में आ रहा है। यही परिवर्तन की पहचान है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एच0सी0एल0 के कर्मचारी अब केवल कम्पनी के कर्मचारी नहीं हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश के ब्राण्ड एम्बेसडर भी हैं। **शेष पृष्ठ 3 पर**

डीयू जरूरतमंद छात्रों की फीस का बोझ करेगा कम

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने जरूरतमंद छात्रों के फीस संबंधी आर्थिक बोझ को कम करने की दिशा में कदम उठाया है। विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर(डीएसडब्ल्यू) ने इस वर्ष के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट स्कीम(एफएसएस) की घोषणा कर दी है। इसके तहत पात्र छात्रों को फीस में अधिकतम 15 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी। डीएसडब्ल्यू के एक अधिकारी के अनुसार स्कीम के तहत जिन छात्रों की पारिवारिक सालाना आय चार लाख रुपये तक है उनको फीस में 100 प्रतिशत की माफी मिलेगी। हालांकि इसकी अधिकतम सीमा 15 हजार रुपये तय की गई है। जबकि चार लाख से अधिक और आठ लाख रुपये तक पारिवारिक आय वाले छात्रों को फीस में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसकी अधिकतम सीमा 10 हजार रुपये रहेगी। इस स्कीम का लाभ डीयू के विभागों, संस्थानों और केंद्रों में पढ़ने वाले रेगुलर यूजी-पीजी के बोनाफाइड छात्र उठा सकेंगे। जबकि कॉलेजों, बीटेक (सीआईसी को छोड़कर), पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड लॉ, एसओएल और एनसीवेब के छात्र स्कीम के दायरे में नहीं होंगे। इसके अलावा अगर पिछली किसी परीक्षा में ईआर है तो वह छात्र आवेदन नहीं कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि स्कीम के लिए छात्रों को 2025-26 का सक्षम प्राधिकारी से जारी आय प्रमाणपत्र या ईडब्ल्यूएस/ओबीसी-एनसीएल प्रमाणपत्र, पात्र पारिवारिक सदस्यों के आईटीआर और पैन कार्ड, बोनाफाइड प्रमाणपत्र, पिछली परीक्षा की मार्कशीट, फीस रसीद और छात्र के नाम वाले बैंक खाते की पासबुक/रद्द चेक की प्रति देनी होगी। नोटरी से जारी आय प्रमाणपत्र और छात्र के नाम पर जारी आय प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन की आखिरी तारीख 13 अक्तूबर 2026 है। इसके लिए क्यूआर कोड भी जारी किया गया है। जबकि भरे हुए आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने का कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने छात्रों से समय-समय पर वेबसाइट देखते रहने को कहा है।

संवैधानिक पाप करने वालों को चुनाव चिन्ह क्यों : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना के चुनाव चिन्ह विवाद पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि दल-बदल को संविधान के तहत 'संवैधानिक पाप' माना जाता है, तो ऐसे मामलों में शामिल लोगों को चुनाव चिन्ह का लाभ क्यों दिया जाए? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि मामला केवल धनुष-बाण चुनाव चिन्ह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि चुनाव चिन्ह आवंटित करते समय विधायकों की संख्या को कितना महत्व दिया जाना चाहिए। खासकर तब, जब उन्हीं विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी कार्यवाही लंबित हो। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि संगठनात्मक समर्थन को बहुमत का सुरक्षित आधार कैसे माना जा सकता है। मामला शिवसेना में विभाजन के बाद चुनाव चिन्ह आवंटन से जुड़ा है। सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के सवालों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया और उसके संवैधानिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा कर रहा है।

मुंबई पुलिस ने की 2.53 करोड़ की नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम टेबलेट जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वर्ली यूनिट ने नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 2.53 करोड़ रुपए की नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम टेबलेट जब्त की हैं। यह मामला 6 अक्टूबर की रात का है और उसी दिन मामला दर्ज किया गया। मुंबई में अवैध नशे की खरीद, बिक्री और सप्लाई में शामिल लोगों की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स गोवंडी, मुंबई इलाके में नशे वाली गोलियां बेच रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी में निटकोर-10 ब्रांड की 4,500 नाइट्राजेपम गोलियां बरामद की गईं, जिसकी कीमत 1.98 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने प्रोकाल्म-1 ब्रांड की 5,300 अल्प्राजोलम गोलियां भी जब्त कीं, जिसका वजन करीब 689 ग्राम है और कीमत 55.92 लाख रुपए है। इस तरह कुल 9,800 नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम गोलियां जब्त की गईं, जिसकी कुल कीमत करीब 2.53 करोड़ रुपए है। यह ऑपरेशन मुंबई पुलिस कमिश्नर की देखरेख में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि ये दवाएं कहां से लाई गई और इनका नेटवर्क कितना बड़ा है। बता दें नाइट्राजेपम और अल्प्राजोलम दोनों बेंजोडायजेपाइन वर्ग की दवाएं हैं जो मस्तिष्क को शांत करने का काम करती हैं।

असम राइफल्स के जवान की गोली लगने से मौत, सीएम माझी ने जताया शोक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के रायगड़ा जिले के रहने वाले असम राइफल्स के जवान वी तेजा की नगालैंड में गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान की मौत उनके 31वें जन्मदिन से महज दो दिन पहले हुई। उन्होंने बताया कि 15वीं असम राइफल्स के राइफलमैन तेजा को सोमवार को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि तेजा की शादी 10 दिसंबर को होनी थी। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने तेजा के निधन पर शोक जताया है। सीएम ने पोस्ट में कहा कि नगालैंड में ड्यूटी पर तैनात 15वीं असम राइफल्स के बहादुर सैनिक राइफलमैन वी. तेजा के असामयिक निधन की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मातृभूमि की सेवा में उनका सर्वोच्च बलिदान और समर्पण हमेशा हमारी स्मृतियों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नवी पटनायक ने एक्स पर कहा कि असम राइफल्स के उड़िया सैनिक वी तेजा ने जो बहादुरी दिखाई, वह अतुलनीय है। उन्होंने नगालैंड में देश की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियानों के दौरान शहीद होकर अद्वितीय बलिदान दिया।

आपत्तिजनक टिप्पणी विवाद में हनी सिंह को साइबर पुलिस का समन, सिंगर ने मांगा और वक्त

मुंबई (एजेंसी)। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने उन्हें एक कार्यक्रम के दौरान की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, सोमवार को हनी सिंह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस से कुछ और समय मांगा है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस की ओर से हनी सिंह को समन भेजकर निर्धारित समय पर जांच अधिकारियों के सामने उपस्थित होने को कहा गया था। यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कार्यक्रम में सिंगर द्वारा कही गई कुछ बातें आपत्तिजनक थीं। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू हुई और इसी मामले में हनी सिंह से पूछताछ होनी थी। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस जांच में जुटी है और अब सिंगर के पेश न होने के बाद आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में घिरे हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है, खासकर उनके गानों और लाइव परफॉर्मेंस को लेकर अक्सर विवाद होता है। इसके पहले भी मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक संगठन की याचिका पर उनसे हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

'जेन जी' 'जेन अल्फा' के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे राहुल गांधी

-सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली , एजेंसी।
पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पूरी तरह मजबूत किया जा सकता है और राहुल गांधी देश की 'जेन जी' और ' जेन अल्फा' पीढ़ी के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि देश के सामाजिक संगठनों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों समेत विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।
उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी किसी तरह की राजनीति नहीं करेंगे। विपक्षी दलों का 'इंडिया' गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के साथ गरीब, कमजोर, मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और सामान्य वर्ग के मतदान अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पिछले तीन सालों से 'वोट चोरी' के मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक दिन का मुद्दा नहीं है, बल्कि पिछले तीन-चार सालों से अलग-अलग मंचों पर इसे उठाया जा रहा है।
उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सहित कई राज्यों में अलग-अलग तरीकों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया गया और लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया। यादव ने कहा कि जब पूरा देश इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार है, तो सरकार सच्चाई सामने लाने से क्यों बच रही है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार सच बोलने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को गवाह बनकर यह बताना चाहिए कि उनके पीछे कौन-कौन लोग हैं।
पप्पू यादव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए सवाल किया कि संबंधित लोगों को एक मिनट भी पद पर बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति को यह कहकर जवाबदेही से बचने का अधिकार है कि उसे जानकारी नहीं थी या उसने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि टीसीएस से जुड़े मामलों में भी कई सवाल उठे हैं और इन मामलों की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

विरोध के चलते सीईसी ज्ञानेश कुमार का छत्तीसगढ़ दौरा स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का 7 और 8 अक्टूबर को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरा स्थगित कर दिया गया है। चुनाव आयोग की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि अहम कारणों के चलते दौरा टाल दिया गया है। हालांकि, आयोग ने नई तारीख को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। इससे पहले ज्ञानेश कुमार का उत्तर प्रदेश दौरा भी स्थगित किया जा चुका है। ज्ञानेश कुमार का छत्तीसगढ़ दौरा ऐसे समय में स्थगित हुआ है, जब उनके खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन तेज है। मंगलवार को 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मार्च निकाला और चुनाव आयोग के कार्यालय तक पहुंचने की कोशिश की। विपक्षी दल मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग कर रहे हैं। मार्च के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसद आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठ गए। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस और कुछ सहयोगी दलों के नेताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शाम करीब आठ बजे हिरासत में लिए गए नेताओं को बस से वहां से ले जाया। बाद में राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं को रिहा कर दिया गया। विपक्षी दलों का कहना है कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण रद्द किया जाना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाया जाना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूचियों में बड़े स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं।

जंतर-मंतर पर सीजेपी के अगले प्रदर्शन पर सस्पेंस: 10 अक्टूबर की अनुमति लंबित

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) फिर दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी में है, इसका प्रस्तावित आयोजन 10 अक्टूबर को होना है। दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी गई है और उसका एक्नॉलेजमेंट भी मिला है, लेकिन अभी तक प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है। सीजेपी के सौरव दास ने बताया कि यह सिर्फ सीजेपी का नहीं, बल्कि जेन-जेड का प्रदर्शन होगा, जिसका लक्ष्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना है। हालांकि, नई दिल्ली इलाके में फिलहाल भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जो आगामी प्रदर्शन को लेकर पुलिस के फैसले पर अनिश्चितता बढ़ाती है।
पिछली बार, 3 अक्टूबर को हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान एक नया विवाद खड़ा हो गया था। तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित यौन उत्पीड़न और बदसलूकी के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने शिकायतों को निष्पक्ष जांच के लिए क्राइम ब्रांच को भेज दिया। इसी मामले को लेकर पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्ग थाने के बाहर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर धरना देकर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। इस दौरान एसीपी विवेक भगत का नाम भी विवादों में आया, जिन्होंने कथित शिकायतों की जांच पूरी होने तक एडिशनल डीसीपी का चार्ज न लेने की इच्छा जताई, जिसे दिल्ली सरकार ने स्वीकार कर लिया।
सीजेपी का दिल्ली में प्रदर्शनों का रिकॉर्ड पहले भी हंगामेदार रहा है। जुलाई में संगठन के 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखा टकराव हुआ था, जिसमें बैरिकेड तोड़े गए, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज भी हुआ। इस दौरान कई पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हुए थे और दिल्ली पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की थीं। हालांकि, बाद में पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वे जुलाई के सीजेपी प्रदर्शनों से जुड़ी 13 एफआईआर पर आगे कार्रवाई नहीं करना चाहती। अब 10 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर फिर संगठन अपनी आवाज सड़क पर उठाने को तैयार है, लेकिन पिछली घटनाओं और लागू बीएनएसएस धारा 163 के कारण पुलिस के सामने एक बड़ी चुनौती है।

बिहार: बाढ़ पीड़ितों के खाते में सम्राट चौधरी भेजेंगे पैसा

12 को 7-7 हजार की अनुग्रहिक राहत राशि होगी वितरित

पटना, एजेंसी।
बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संबंधित विभागों को बाढ़ से हुई क्षति का आकलन कर उसके पुनर्स्थापन में होने वाले खर्च की प्रथम दृष्टया विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का उद्देश्य है कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास तथा आवश्यक विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि द्वितीय चरण में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच 12 अक्टूबर को सात-सात हजार रुपये की अनुग्रहिक राहत राशि वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को लोक सेवक आवास में बाढ़ की स्थिति एवं इससे हुई क्षति को लेकर एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से जल निकासी के बाद संभावित परेशानियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।
इस वर्ष गंगा, गंडक एवं सोन नदियों में पूर्व के वर्षों की तुलना में अधिक मात्रा में पानी आने के कारण बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई थी। नदियों में बाढ़ आने की एक प्रमुख वजह नदी तल में गाद (सिल्ट) का जमा होना भी है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार देश का पहला राज्य है जिसने गाद नीति बनाई है। उन्होंने नदियों की वर्तमान स्थिति एवं बाढ़ से हुई क्षति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बिहार में दो चरणों में आई बाढ़ के कारणों और उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में गंगा, सोन, घाघरा, कोसी एवं पुनपुन नदियों में उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे चरण में अधिक बारिश के कारण गंडक नदी में चार स्थलों पर उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। पश्चिम चंपारण, गोपालगंज एवं सारण जिले में छह स्थलों पर तटबंध क्षतिग्रस्त हुए थे। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बाढ़ के दौरान किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की भी जानकारी दी। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने बताया कि राज्य में बाढ़ की स्थिति अब अंतिम चरण में पहुंच रही है और स्थिति सभी जगह नियंत्रण में है। हालांकि, सरकार अभी भी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने मंगलवार को पार्टी

दफ्तर में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार गंडक और गंगा ने कई जगहों पर नया उच्चतम जलस्तर बनाया, जिसके कारण कई स्थानों पर तटबंधों पर भारी दबाव की स्थिति बनी।

पदभार संभालने से पहले राजनाथ से मिले एयर मार्शल आशुतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख नियुक्त किए गए एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद हुई इस मुलाकात में रक्षा मंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। एयर मार्शल दीक्षित वर्तमान में वायुसेना के उपप्रमुख हैं। वह 31 अक्टूबर को मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार संभालेंगे। इसके साथ ही वह भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन मिला था। करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने संचालन, प्रशिक्षण और उच्चस्तरीय सैन्य नेतृत्व से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। वह एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख और केंद्रीय वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रह चुके हैं।

सीएम सैनी के सिंगापुर दौरे के बाद 5,500 करोड़ के निवेश की बढ़ी संभावना

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपना तीन दिवसीय सिंगापुर दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। इस दौरे के दौरान विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने हरियाणा में करीब 5,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सहमति जताई है। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है।
मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका सिंगापुर दौरा 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा। उन्होंने जोर दिया कि हरियाणा के प्रति वैश्विक निवेशकों की बढ़ती रुचि यह दर्शाती है कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के लिए एक भरोसेमंद एवं आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी प्रशासन, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचा, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि इन निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।
सिंगापुर दौरे के दौरान सबसे अधिक, करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में मिले। इनसे हरियाणा में अत्याधुनिक अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और वेलनेस सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने की संभावना है। सिंगापुर की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों से प्रेरित होकर, जल उपचार एवं प्रबंधन क्षेत्र में भी निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई, जिसके तहत करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी है। इन निवेशों से आधुनिक जल उपचार संयंत्रों, सीवेज ट्रीटमेंट, औद्योगिक जल प्रबंधन, जल के पुन- उपयोग और स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

'आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे' जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है : सुक्खू

-राहुल गांधी की हिरासत के विरोध में हिमाचल में जोरदार प्रदर्शन, धरने पर बैठे नेता

शिमला, एजेंसी।
दिल्ली में राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने बुधवार को शिमला में जोरदार प्रदर्शन किया। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकभवन के बाहर धरना दिया। प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार, कई कैबिनेट मंत्री, विधायक, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रदर्शन में सीएम सुक्खू ने केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी को सड़क पर उतरकर आवाज उठानी पड़ रही है। सीएम ने यह भी घोषणा की कि गुरुवार को हिमाचल प्रदेश के सभी हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। 'आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे' उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य सांसदों की हिरासत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के खिलाफ है।

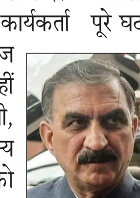

सीएम के मुताबिक, जनता की आवाज उठाने वाले नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है, जबकि जिनसे जवाब मांगा जाना चाहिए उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी की आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे और जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है।
सीएम सुक्खू ने आरोप लगाया कि सरकार ने नैतिक रूप से सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को दबाने के बजाय उसका जवाब दिया जाना चाहिए। विपक्षी दल एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रोकने की मांग कर रहे हैं। साथ ही विपक्ष की ओर से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की जा रही है।

एसआईआर के खिलाफ सत्याग्रह पर एफआईआर से नाराज कांग्रेस

जयराम ने केंद्र और दिल्ली पुलिस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लंबे समय से कथित वोट चोरी के मुद्दे को तथ्यों के साथ उठा रहे हैं और इसी के विरोध में किए गए सत्याग्रह पर पुलिस ने कार्रवाई की है।
जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि राहुल गांधी करीब दो वर्षों से प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच कथित 'वोट चोरी की साजिश' को तथ्यों के जरिए सामने ला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया से करोड़ों वास्तविक मतदाताओं के मतदान के संवैधानिक अधिकार पर असर पड़ा है।

कांग्रेस ने कहा- दबाव में है सरकार

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा एसआईआर की कथित विसंगतियों और अन्याय के खिलाफ सत्याग्रह किए जाने के बाद दिल्ली पुलिस ने उनके और अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग इस मुद्दे को लेकर दबाव में हैं। विपक्षी दल एसआईआर की प्रक्रिया पर लगातार सवाल उठा रहे हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं चुनाव आयोग अपने स्तर पर प्रक्रिया को नियमों के तहत होने वाला पुनरीक्षण बता रहा है।

आकाशवाणी भवन में दिया था धरना

दरअसल, मंगलवार को विपक्षी दलों के सांसद संसद के मकर द्वार पर एकत्र हुए थे। उन्होंने एसआईआर से जुड़े मुद्दों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चुनाव आयोग के मुख्यालय की ओर मार्च किया। दिल्ली पुलिस ने चुनाव आयोग की ओर जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों को आकाशवाणी भवन के पास रोक दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के कुछ अन्य नेता परिसर में दाखिल हो गए और वहां धरने पर बैठ गए। पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारियों से परिसर खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उनके वहां बैठे रहने पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत

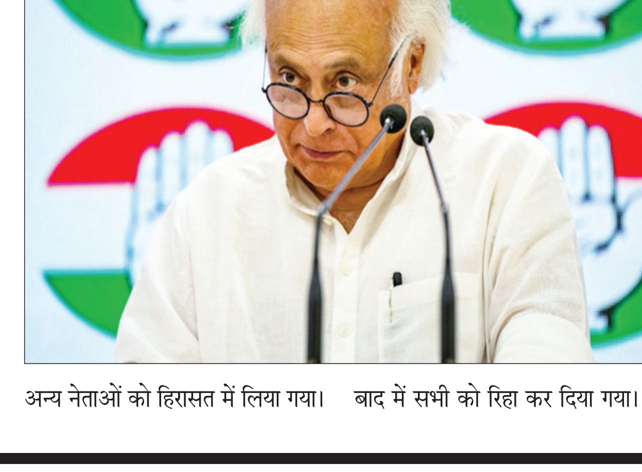

अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया। बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

लखनऊ में कम से कम 50 विश्वस्तरीय ए0आई0 स्टार्ट-अप स्थापित करने में सरकार सहयोग देने के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने लगभग नौ वर्ष पहले इस कैम्पस का भ्रमण किया था और आज पुनः यहां आकर प्रशिक्षण, नवाचार और युवाओं के उत्साह को निकट से देखा है। लखनऊ से जब कोई बेटी अपने कैरियर की उड़ान भरती है, तो केवल उसका जीवन नहीं बदलता, बल्कि पूरे परिवार का जीवन बदलता है। यह सफलता कई बेटियों के लिए नई राह और प्रेरणा बनती है। किसी माँ की दुआ, किसी पिता का सपना और किसी परिवार का विश्वास भी जुड़ा है। अपने बेटे और बेटियों के परिश्रम को सफल होते देख रहे परिवारों की आकांक्षाओं का साकार रूप आज लखनऊ के एच0सी0एल0 कैम्पस के रूप में सभी के सामने है। लखनऊ कैम्पस के 10 वर्षों की यात्रा का उत्सव विगत एक दशक की उपलब्धियों का उत्सव ही नहीं, बल्कि आगामी 100 वर्षों की नींव को मजबूत करने का अवसर भी है। आज जिन कार्यों का शुभारम्भ किया गया है, उनके माध्यम से आगामी दशक में लखनऊ केवल आई0टी0 सर्विसेज का केन्द्र नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस, सेमीकण्डक्टर, साइबर सिक्योरिटी, कम्प्यूटिंग, कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी और डीप टेक का प्रमुख केन्द्र बनेगा। इसके लिए स्वयं को भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना होगा। उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत उसकी उर्वरा भूमि और युवा शक्ति है। प्राचीन काल से ही हमारे पूर्वज उर्वरा भूमि को अपनी ताकत मानते रहे हैं। आज प्रदेश के पास अच्छी भूमि के साथ-साथ भारत की सबसे युवा कार्यशक्ति भी है। युवाओं की प्रतिभा प्रदेश की सबसे ब?ी सामर्थ्य एवं शक्ति है। एच0सी0एल0 लखनऊ के 10 वर्ष इस बात का प्रमाण हैं कि प्रतिभा को अवसर मिले तो उत्तर प्रदेश का युवा पीछे रहने वाला नहीं है। 10 वर्ष पूर्व इस यात्रा की शुरुआत 100 युवाओं से हुई थी, जबकि आज इस कैम्पस में 12,000 युवा कार्य कर रहे हैं। यह एच0सी0एल0 का सबसे बड़ा कैम्पस है। लखनऊ केवल एच0सी0एल0 का होम नहीं, बल्कि लखनऊ की विकास गाथा का हिस्सा बन चुका है। कैम्पस में कार्यरत उत्साही युवाओं का आत्मविश्वास इस परिवर्तन का प्रमाण है। अब प्रदेश के समक्ष पहचान का संकट नहीं है। प्रदेश में रोजगार तथा नौकरी का संकट भी नहीं है। विगत 09 वर्षों में लगभग 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 09 वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश में बेटियों की नाइट शिफ्ट की कल्पना करना कठिन था। आज बेटियां और बहनें नाइट शिफ्ट में बेझिझक कार्य कर रही हैं और सुरक्षित वातावरण में अपने घर लौट रही हैं। एक समय पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाकर भय और दहशत का माहौल पैदा किया जाता था। आज अपराधी पुलिस को देखकर भयभीत होते हैं। बेटियों और बहनों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता। इसी विश्वास के साथ प्रदेश सरकार ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को आगे ब ?ाया है। उत्तर प्रदेश अब एक्सप्रेस-वे, मेडिकल कॉलेज, 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' और अपनी विशिष्ट खानपान परम्पराओं के लिए जाना जा रहा है। आज बलिया से बिजनौर तक लगभग 1,200 किलोमीटर की दूरी लगभग 10 घण्टे में तय की जा सकती है। 10 वर्ष पहले इसी दूरी को तय करने में कई दिन लगते थे। यह बदले हुए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 'डिजिटल इण्डिया' का दूरदर्शी विजन दिया था। उस समय कुछ लोगों ने सवाल किया कि भारत में डिजिटल इण्डिया कैसे होगा। किसी प्रकार जब जनधन खाते खोले गए तो इन्हें खाली अकाउण्ट बताकर उनका मजाक उड़ाया गया और गरीब का अपमान कहा गया। आज डी0बी0टी0 (प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण) ने अन्त्योदय के सपने को साकार किया है। दिल्ली या लखनऊ से गरीब के लिए भेजा गया पैसा सीधे उसके खाते में पहुंच रहा है। यह तकनीक और डिजिटल इण्डिया की शक्ति का परिणाम है। जिस प्रकार प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इण्डिया के विजन ने देश की विकास यात्रा को नई दिशा दी, उसी प्रकार श्री शिव नाडर की दूरदर्शिता ने एच0सी0एल0 को वैश्विक कम्पनी के रूप में स्थापित किया। 50 वर्ष पूर्व एच0सी0एल0 की नींव रखने वाले श्री शिव नाडर का विजन आज वैश्विक सफलता के रूप में सभी के सामने है। उस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय उत्तर प्रदेश में लिखा गया है। एच0सी0एल0 टेक ने उत्तर प्रदेश में केवल कारोबार नहीं किया, बल्कि सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गांवों की महिलाओं, स्वयंसेवी समूहों और समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें स्वावलम्बन की ओर ब ?ाने का कार्य किया गया है। सीतापुर और बुलन्दशहर जैसे जनपदों में स्कूलों के माध्यम से बच्चों के जीवन में परिवर्तन लाने का प्रयास किया गया है। विगत 10-11 वर्षों में एच0सी0एल0 के कार्यक्रम प्रदेश के 50 लाख से अधिक लोगों और 3,000 से अधिक गांवों तक पहुंचे हैं। यह इस बात का उदाहरण है कि तकनीक और विकास का लाभ समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास का अर्थ केवल ब? शहरों में बड़े कैम्पस बनाना नहीं है। वास्तविक विकास तब है, जब गांव का किसान बेहतर तकनीक से जुड़े, बहन-बेटियों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त हों, गांव के बच्चे बेहतर शिक्षा से जुड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें और ग्रामीण युवा नई अर्थव्यवस्था तथा नए अवसरों का हिस्सा बनें। एक ओर एच0सी0एल0 का वैश्विक तकनीकी कैम्पस व दूसरी ओर गांवों में सामुदायिक विकास कार्यक्रम तथा एक ओर वैश्विक नवाचार और दूसरी ओर आधारभूत विकास, दोनों एक साथ आगे ब ?गे तो यह समावेशी विकास का मॉडल होगा। एक दशक पूर्व उत्तर प्रदेश में निवेश करना चुनौतीपूर्ण था। प्रदेश की छवि खराब थी, सुरक्षा का वातावरण अनुकूल नहीं था, पर्याप्त बुनियादी ढांचा नहीं था और आई0टी0 सेक्टर की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता बिजली की पर्याप्त उपलब्धता नहीं थी। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। आज देश की 55 प्रतिशत मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग उत्तर प्रदेश में हो रही है। इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट में उत्तर प्रदेश का योगदान 60 प्रतिशत है। एक दशक पूर्व आई0टी0 एवं आई0टी0ई0एस0 के माध्यम से उत्तर प्रदेश से लगभग 12,000 से 15,000 करोड़ रुपये का निर्यात होता था, जबकि आज यह 01 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। प्रदेश का लक्ष्य आगामी 04 वर्षों में इसे 2.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। लगभग 10 वर्ष पूर्व प्रदेश से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात 3,800 करोड़ रुपये था, जो आज बढ़कर 45,000 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2030 तक इसे 02 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अब सॉफ्टवेयर कम्पनियों के लिए केवल नोएडा ही विकल्प नहीं है। लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ और आगरा में भी आई0टी0 पार्क संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में 07 सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क कार्य कर रहे हैं। वाराणसी, बरेली, कानपुर और गोरखपुर में नए आई0टी0 पार्क विकसित किए जा रहे हैं। आई0टी0 अब केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड तक पहुंच रहा है। गौतमबुद्ध नगर में 12 आई0टी0 एवं आई0टी0ई0एस0 स्पेशल इकोनॉमिक जोन हैं। नई स्टार्ट-अप नीति के अन्तर्गत नोएडा और लखनऊ को डीप टेक हब के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इस दिशा में निरन्तर कार्य आगे बढ़ रहा है। लखनऊ में देश का पहला ए0आई0 सिटी स्थापित करने तथा ए0आई0 ईको सिस्टम को बढ़ावा देने की योजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को एच0सी0एल0 टेक की अध्यक्ष श्रीमती रोशनी नाडर मल्होत्रा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्टेट ट्रॉन्सफॉर्मेशन कमिशन के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव आई0टी0 एवं इलेक्ट्रॉनिक्स श्री आलोक कुमार, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, शिव नाडर फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री शिखर मल्होत्रा तथा एच0सी0एल0 लखनऊ से जुड़े विभिन्न अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

असमा ईसा फाउंडेशन के तत्वावधान में कानों की निःशुल्क जांच का शिविर आयोजित
सुनने की मुफ्त जांच के साथ जरूरतमंदों में हियरिंग एड मशीनें भी वितरित

नई दिल्ली, (संवाददाता)ः असमा ईसा फाउंडेशन के तत्वावधान में कानों की निःशुल्क जांच के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सुनने से संबंधित समस्याओं की मुफ्त जांच के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों के बीच हियरिंग एड मशीनें भी वितरित की गईं। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर चिकित्सा सुविधा का लाभ उठाया। इस दौरान कानों की देखभाल और श्रवण स्वास्थ्य के संबंध में विशेषज्ञों ने लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर में तीन ऑडियोलॉजिस्ट (श्रवण विशेषज्ञ) वासिक अली, मोहम्मद उमर और शारिक मिर्जा के अलावा दो सहायक भी अपनी सेवाएं दे रहे थे। फाउंडेशन के संरक्षक मोहम्मद अयाज ईसा शफीक ने बताया कि शिविर के दौरान लगभग 110 लोगों के कानों और सुनने की क्षमता की जांच की गई। श्रवण विशेषज्ञों ने शिविर में आए लोगों को कानों की देखभाल, श्रवण स्वास्थ्य तथा सुनने से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के बारे में उपयोगी जानकारी दी। जरूरत के अनुसार कई पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को हियरिंग एड (श्रवण सहायता उपकरण) भी उपलब्ध कराए गए। शिविर में तीन ऑडियोलॉजिस्ट सहित अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी सेवाएं दीं। उन्होंने लोगों की सुनने की क्षमता की जांच करने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस अवसर पर श्रवण संबंधी बीमारियों की समय पर पहचान और उचित उपचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर अयाज ईसा ने कहा कि असमा ईसा फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंद एवं पात्र लोगों तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए इस तरह के कल्याणकारी कार्यक्रम भविष्य में भी जारी रखे जाएंगे। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों तथा श्रवण विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया। शिविर की सफलता में हुमायूं चांदना, सिराजुद्दीन (घड़ी वाले), सबाहुद्दीन, नईम अहमद बाड़ी, जिक्रूर्रहमान मुजाहिद चावला, डॉ. अरहम चौधरी, मोहम्मद नौमान (पहाड़) सहित अन्य जिम्मेदार लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्रेडिट कार्ड ठगी गिरोह का भंडाफोड़, लिमिट बढ़ाने के नाम पर फंसाते, गैंग का छठा शातिर दबोचा

गुरुग्राम। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली निवासी गुलशन सिंह को साइबर क्राइम थाना साउथ की टीम ने 3 दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की है। इस मामले में अब तक छह आरोपियों को पकड़ा जा चुका है। पूछताछ में सामने आया कि गुलशन सिंह अपने साथियों को धोखाधड़ी के लिए कॉलिंग का डाटा और एपीके फाइल मुहैया कराता था। इससे पहले 5 जून 2026 को पुलिस ने एक महिला सहित पांच आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इनमें राहुल, अनुजपाल, गौरव, मुकुल किरार और आंचल शामिल थे। इन आरोपियों ने 11 मार्च 2026 को एक व्यक्ति से क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर करीब 28 हजार रुपये की ठगी की थी। शिकायत पर साइबर क्राइम थाना साउथ में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के बहाने लोगों को कॉल करते थे। वे फर्जी लिंक भेजकर उनके क्रेडिट कार्ड को हैक कर लेते थे। इसके बाद ऑनलाइन खरीदारी करते थे। खरीदे गए सामान को मुख्य आरोपी को सौंप दिया जाता था। यदि सामान की कीमत पांच से सात हजार रुपये होती थी, तो उसे बेचकर पैसे प्राप्त कर लेते थे। मुख्य आरोपी इन आरोपियों को कॉल करने के लिए डाटा उपलब्ध कराता था। जांच में पता चला कि यह गिरोह जनवरी 2026 से कॉल सेंटर चला रहा था। आरोपी ठगी के बाद दो-तीन दिन अपना सारा काम बंद कर देते थे। वे पुलिस से बचने के लिए 10 से 15 दिन में अपनी जगह भी बदल लेते थे।

बुराड़ी में देश का सबसे बड़ा स्वचालित परीक्षण स्टेशन शुरू

नई दिल्ली। बुराड़ी में देश के सबसे बड़े स्वचालित परीक्षण स्टेशनों में से एक का उद्घाटन शनिवार को किया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पांच लेन वाले इस स्टेशन का शुभारंभ किया। यहां सालाना एक लाख वाहनों की स्वचालित फिटनेस जांच हो सकेगी। इनमें 40 हजार भारी और 60 हजार हल्के मोटर वाहन जांचे जाएंगे। तकनीक आधारित जांच से सड़क सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण की निगरानी मजबूत होगी। दिल्ली-एनसीआर के कमर्शियल वाहनों को आधुनिक फिटनेस जांच की सुविधा मिलेगी। बुराड़ी से पहले तेखंड और नंद नगरी में भी ऐसे स्टेशन शुरू किए गए हैं। बुराड़ी स्टेशन के साथ तीनों केंद्रों की संयुक्त क्षमता सालाना 2.5 लाख से अधिक वाहनों की हो गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण को केवल सर्दियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वाहन फिटनेस और उत्सर्जन मानकों की नियमित जांच इसी सालभर चलने वाले प्रयास का हिस्सा है।

जिंदा दिव्यांग महिला को कागजों में मृत दिखाया, पेंशन बंद, सचिव निलंबित

अलीगढ़। अलीगढ़ में ब्लॉक गंगीरी के शाहजहांपुर बैजना गांव में 100 प्रतिशत दिव्यांग चंद्रमुखी को पेंशन सत्यापन सूची में मृत दर्शा दिया गया। इससे उनकी दिव्यांग पेंशन बंद हो गई। शिकायत के बाद हुई जांच में महिला जीवित मिलीं। मामले में ग्राम पंचायत अधिकारी सतेंद्र कुमार आजाद को निलंबित किया गया है। शिकायतकर्ता जितेंद्र कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी दिव्यांग बहन चंद्रमुखी को जीवित होने के बावजूद मृत दर्शाकर पेंशन बंद कर दी गई है। सीडीओ के निर्देश पर मामले की जांच जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी से कराई गई। जांच में सामने आया कि गंगीरी विकास खंड की 23 ग्राम पंचायतों की दिव्यांग पेंशन सत्यापन सूची में चंद्रमुखी का नाम मृतक के रूप में दर्ज किया गया था। इसके बाद उनकी पेंशन रोक दी गई। शिकायत के बाद सहायक विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव की संयुक्त जांच में चंद्रमुखी 100 प्रतिशत दिव्यांग और जीवित मिलीं। इसके बाद उनकी पेंशन दोबारा शुरू करा दी गई। डीपीआरओ यतेंद्र सिंह ने बताया कि नोटिस के जवाब में ग्राम पंचायत अधिकारी ने बताया कि गांव में परिवारों के बीच पार्टीबंदी चल रही है। सत्यापन के दौरान मोहल्ले के ग्रामीणों ने चंद्रमुखी की मृत्यु की गलत सूचना दी थी। उनका घर बंद मिला और परिवार के लोग रिश्तेदारी में बताए गए।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3ः30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

NAME CHANGE
I WAZIR AHMED S/O AMEER AHMED R/O V-120 STREET NO-21 B VIJAY PARK MOUJPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO WAZEER AHMED

NAME CHANGE
I RIHANA BEGUM W/O WAZEER AHMED R/O V-120 STREET NO-21 B VIJAY PARK MOUJPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO REHANA

NAME CHANGE
I SELVI SENGOTTUVEL W/O SENGOTTUVEL R/O A-136 ,JJ COLONY A BLOCK INDERPURI DELHI 110012 have changed my name to SELVI Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I RAIS AHMAD S/O MOHD YAMIN R/O 196 GALI NO. 11 RAHIMIYA MASJID JAFRABAD Delhi-110053 have changed the name of my minor son SHABI AHMAD aged 17 years and he shall hereafter be known as SHABI AHMED.

NAME CHANGE
I, POOJA V MUGALIKAR wife of No.-15331715H, Rank-HAV, Name-VINOD MUGLIKAR residing at HOUSE NO-180, STREET RAMGHAT ROAD, VPO-BEANKANHLLI, TEHSIL-BELGAVI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591108, have changed my name from POOJA V MUGALIKAR to POOJA VINOD MUGALIKAR for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Shaleen Agarwal S/o Dinesh Agarwal R/o Tower No.2, Flat No.303, Orange County, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 That I have changed the name of my minor son aged 11 years from Garv Agarwal to Avyaan Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SURESH KUMAR S/o SHIV CHARAN, R/o WB-136, GALI NO-7, GN-II, SHAKAR PUR, DELHI-110092 declare that name of my wife has been wrongly written as VEERO DEVI in my PPO Book No. 1063782. The actual name of my wife is VEERO, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with all other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Ayub Saifi S/O Jumma Khan R/O T a-72,gali No-4, Tuglakabad Extension Aali, Delhi-110019 Have Changed My Name to Ayub for All Future Purposes.

Public Notice
I JYOTI, D/O LATE RAJAN,R/O A2/488,JJ COLONY,MADANPUR KHADAR, SARITA VIHAR, NEW DELHI110076 DECLARE THAT IN MY 10TH,AND 12TH,EDUCATIONAL DOCUMENTS (CERTIFICATE) MY MOTHER'S NAME IS WRONGLY MENTION AS BEENA WHEARAS HER RIGHT NAME IS MEENA, WHICH MAY BE AMENDED ACCORDINGLY

NAME CHANGE
I, DHARMENDRA SINGH S/o Virpal Singh R/o H.No.378, Kalyan Kunj, Barola, Sector-49, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P-201301, have changed my name to DHARMENDAR KUMAR SINGH permanently.

NAME CHANGE
I hitherto know as SUCHI TOMER alias SUCHI PANWAR D/o NETRAPAL PANWAR W/o VINIT TOMER R/o H.No 881 NEAR JAIN STHANAK BIJROL Tehsil BARAUT Distt BAGHPAT UTTAR PRADESH Pincode 250611 have changed my name and shall here after be know as SUCHI PANWAR.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Kamlesh W/o Shyam Kumar Tiwari R/o H-204, Gali No-4, Ward No-28, Prakash Vihar, Loni Dehat, Uttar Pradesh-201102 declare that name of mine has been wrongly written as Kamlesh Tiwari in my minor son namely Adinath Tiwari aged 13 years in his Birth Certificate No-B-2017: 9-90105-001502. The actual name of mine is Kamlesh.

NAME CHANGE
I hitherto known as Krishna W/o Ashok R/o 00, Rampur Mazra, Rauni, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 have changed my name and shall hereafter be known as Sonia.

NAME CHANGE
I hitherto know as Ashvani S/O Rajveer Singh R/O 93,Gandhi Nagar Ailum, ward no-8,P.O-Ailum, District-Shamli, Uttar Pardesh, pin-247771 have changed my name and shall here after be known as Ashwini kumar.

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR SHARMA S/O NIRMAL KANT SHARMA R/O B-1/104, UPPER GROUND FLOOR YAMUNA VIHAR NORTH EAST DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MANISH SHARMA.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHEHZAD S/O FAKHRUDDIN R/O D- 135-A UPPER GROUND FLOOR FLAT NO 2 KRISHNA PARK KHANPUR SOUTH DELHI 110062, CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SHAHZAD.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ashfaque Ahsan Ali Qureshi S/O Ahsan Ali Qureshi, R/O House No.-315, 100-Futa Road Prem Nagar, Loni Dehat, Ghaziabad, Loni, Uttar Pradesh, 201102, have changed my name and shall hereafter be known as ASHFAQUE ALI AHSAN ALI QURESHI.

NAME CHANGE
I, RENU GOGAR W/o Late. Sukhbir Singh R/o RZ-861, Gali No-15A, Sadh Nagar, Palam Colony, Palam Village, Delhi-10045, have changed my name to RENU BALA permanently.

NAME CHANGE
I, EKOM SINGH SINDHU S/O MANDEEP SINGH R/O D-119 4TH FLOOR SECTOR-8 DWARKA DELHI-110077 have changed my name to EKOM SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHAKEEL AHMAD S/O NAWAB R/O H-352 BLOCK-H JAITPUR EXTN PART 2 BADARPUR DELHI 110044, CHANGED MY NAME TO SHAKIL MALIK.

NAME CHANGE
I, NIVEDITA NAYAK W/O ASHOK KUMAR BEHERA R/O 604/F-3 SMG SAHIBABAD GHAZIABAD UTTAR PRADESH 201005, CHANGED MY NAME TO NIBEDITA NAYAK.

NAME CHANGE
I, PAPPU KUMAR YADAV S/O UMESH YADAV R/O HO.NO-85, GROUND FLOOR BLOCK-G POCKET 21 SEC-7 ROHINI DELHI 110085, CHANGED MY NAME TO PAPPU YADAV.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RASHMI W/O AAKASH SHARMA R/o C-81, BUDH VIHAR COLONY, TAJPUR PAHARI, BADARPUR, DELHI-110044 have changed my name and shall hereafter be known as RASHMI SHARMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, SANTHA NAMARI Mother of No 21002628M, Rank-HAV, Name-KALIRAJ S Presently residing at VPO-CHOCKAMPATTI, TEHSIL-KADAYANALLUR, DISTT-TENKASI, TAMILNADU-627751, have changed my name SANTHA NAMARI to SANTHANAMARI for all future purposes vide Affidavit dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gita Devi W/o Ram Karan R/o 288, Gali no.-4, Ashok Mohalla, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 have changed my name and shall hereafter be known as Geeta Devi

NAME CHANGE
I, ASHOK KUMAR HARIT S/o Late Sh: DHARAM SINGH R/o HNO-C-84, GALI NO 3, HARDEV NAGAR, JHARODA MAJRA, BURARI, DELHI-110084 declare that my son's exact and correct name is RIYANSHU HARIT for all future purposes. That my Son's name has been wrongly entered as RIYANSHU in my Son's school documents.

NAME CHANGE
I, SUMIT KUMAR S/O GUROO PRASAD R/O E-2, HOUSE NO 190, SECTOR-4, MADAN GIRI DEVLI VILLAGE, NEW DELHI declare That my minor son name is mentioned in his school record as YESH VARMA instead of YASH VERMA. That I have to update/enter my minor son's name in his school record i.e. YASH VERMA. His correct Date of Birth is 12-11-2011 (14 year)

NAME CHANGE
I, Dinesh Kumar S/o Sh. Attar Singh, R/o House No. F-325, Lado Sarai, New Delhi-110030 have changed my minor son's name from Kushagra aged 14 years to Kushagra Gola for all future purposes.

NAME CHANGE
I,PRATEEK 18/109, East Moti Bagh, Sarai Rohilla, Delhi-110007 HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR daughter FROM AAIRA TO AAIRA KHAIRWAL.

NAME CHANGE
I MOHD NABEEL KHAN S/0 MOHD SHAMAIL KHAN R/0 E-374 TOP FLOOR NEAR UMAR MASJID JAITPUR EXTN PART 2.BADARPUR DELHI 110044 CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD NABEEL KHAN

NAME CHANGE
I, Md Sattar R/o 72/17, Gali No.1, Subhash Mauhalla, B-Block, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Sattar.

NAME CHANGE
I, Rooman S/o Fida Hussain R/o Old No.C-111/20 and New No.C-11/20, Gali No.17, Subhash Mohalla, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Rooman.

NAME CHANGE
I, SHANTA V MUGALIKAR mother of No.-15331715H, Rank-HAV, Name-VINOD MUGLIKAR residing at HOUSE NO-180, STREET RAMGHAT ROAD, VPO-BEANKANHLLI, TEHSIL-BELGAVI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591108, have changed my name from SHANTA V MUGALIKAR to SHANTA VAIJU MUGALIKAR for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 01/06/1961 vide Affidavit dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-15331715H, Rank-HAV, Name-VINOD MUGLIKAR father of YATHARTH residing at HOUSE NO-180, STREET RAMGHAT ROAD, VPO-BEANKANHLLI, TEHSIL-BELGAVI, DIST-BELGAVI, KARNATAKA-591108 have changed my minor son's name from YATHARTH to YATHARTH VINOD MUGALIKAR for all future purposes vide affidavit dated 07/10/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MAHESH KUMAR S/o GOPI SINGH, R/o Bankapur, Jewar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203135, have changed my name and shall hereafter be known as MAHESH CHAND.

NAME CHANGE
I, hitherto known as BASANT LAL alias VED YOGESHWAR PAL S/o BASANT LAL R/o 146, MAHARANA VIHAR, VIJAY NAGAR , Ghaziabad Uttar Pradesh-201009 have changed the name of my name and shall hereafter be known as VED YOGESHWAR PAL.

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that Shri Dhupan Shah is purchasing the Plot No. 17, measuring 57 sq. yards, Khasra No.6, village Saddik Nagar, Loni, Ghaziabad, U.P. from Shri Rajesh Kumar S/o Shri Brahm Prakash, Shri Ajay Kumar S/o Shri Brahm Prakash and Smt. Poonam D/o Shri Brahm Prakash who became owner after the death of Shri Brahm Prakash and Smt. Phoolwati w/o Shri Brahm Prakash. That, Shri Brahm Prakash and Smt. Phoolwati became the owners of the said property through Sale Deed dated 05.07.2012 (Doc. No.7813) and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd. That, Original Sale Deed dated 02.05.2011 (Doc No. 3712) executed by Shri Ravi Kumar in favour of Shri Harsha Arora in respect of said property has lost/misplaced. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.
Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

NAME CHANGE
I, Nikhil S/o Ajaib Singh R/o 221, G P S Balmiki Mohalla, Pelakhni (21), PO Pilkhani, Dist Ambala, Haryana-133104 have changed my name from Nikhil to Lakhwinder vide affidavit dated 07.10.2026 before Notary Public at New Delhi

NAME CHANGE
I, No. 9113848N Rank-HAV Name-RAMESH TALAWAR Residing at VPO-BHAGAVATI, TEHSIL & PS-BAGALKOT, DIST-BAGALKOT, KARNATAKA-587115, have changed my mother's name from NEELAMMA to NEELAVVA HANAMANTA TALAWAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 04/05/1960 instead of her correct date of birth as 02/06/1968 vide Affidavit dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAJVATI W/O RAM PRASAD R/O 244/56, SCHOOL BLOCK MANDAWALI SHAKARPUR BARAMAD DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO RAJ WATI.

NAME CHANGE
I, No. 9113848N Rank-HAV Name-RAMESH TALAWAR Residing at VPO-BHAGAVATI, TEHSIL & PS-BAGALKOT, DIST-BAGALKOT, KARNATAKA-587115, have changed my father's name from HANAMANTHAPPA to HANAMANTA SAABANNA TALAWAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 06/01/1952 instead of his correct date of birth as 02/06/1950 vide Affidavit dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जानकारी के लिए बताया जाता है कि मेरी शिक्षा सिंह (पिता श्री अवनीत सिंह, निवासीः 166, भैंसाई द्वार, आजमगढ़, यूपी - 276124) के ओरिजिनल एजुकेशनल सर्टिफिकेट खो गए हैं। इनमें लखनऊ पब्लिक स्कूल, विराट खंड-4, गोमती नगर, लखनऊ का 10वीं मार्कशीट (रोल नंबर 23217681) और 12वीं CBSE मार्कशीट (रोल नंबर 23688831) के साथ-साथ गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की BTE उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इन फार्मेसी फर्स्ट ईयर (रोल नंबर 2371192141047) और सेकेंड ईयर (रोल नंबर 2456912144042) की मार्कशीट शामिल है। ये सभी डॉक्यूमेंट्स 05/08/2026 को दिल्ली के पुराने रेलवे स्टेशन पर खो गए थे (पुलिस LR नंबर 670516/2026, तारीख 28/09/2026)। अगर किसी को ये डॉक्यूमेंट्स मिलें, तो उनसे अनुरोध है कि वे इन्हें ऊपर दिए गए पते पर लौटा दें या तुरंत मालिक से संपर्क करें और नीचे दिए गए पते पर मुझे भी सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, SANTHANAPAN DIAN father No 21002628M, Rank-HAV, Name-KALIRAJ S Presently residing at VPO-CHOCKAMPATTI, TEHSIL-KADAYANALLUR, DISTT-TENKASI, TAMILNADU-627751, have changed my name SANTHANAPAN DIAN to SANTHANAPANDIAN for all future purposes vide Affidavit Dated 07/10/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Shweta Puri** in respect of **Built-Up First Floor, Without Terrace Roof Rights, out of Freehold Property bearing No. H-42, Situated in the Abadi of West Patel Nagar, New Delhi-110008.**, claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **MRS. RAJNI** in respect of Third Floor Flat No. 302, WITHOUT ROOF RIGHTS, PORTION OF PLOT NO.6, KHASRA NO.543MIN.,FLORA ENCLAVE (INDERGARHI), VILLAGE-DASNA,TEHSIL & DISTRICT-GHAZIABAD, U.P.-Ghaziabad, (U.P.), for lost property document i.e Sale deed dated 25.07.2018 executed by Mrs. Babli Singh & Mr. Deepak Sharma in favour of Mrs. Rajni in respect of 3rd Floor, Flat No.302, without roof rights, Portion of Plot No.6, Khasra No.543min., Flora Enclave (Indergarhi), Village-Dasna, Tehsil & District-Ghaziabad, U.P; Doc. No.5774, Vol. No.15734, Dated 25.07.2018, Page Nos.329-360 in Book No.1 by SRO-I, Ghaziabad, The document was lost on or around 11.02.2026 by Piramal Finance Ltd. Online complaint has been lodged on 07.10.2026 vide application no. LR No: 703182/2026 with DWARKA NORTH /e-Police Station. This Property is mortgaged with Piramal Finance Ltd If, any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Kusha Khanna** in respect of Flat No-802,8th Floor, Tower-3P, Aster Port Premium Orris, Sec-85, Gurgaon, Haryana, for lost property document i.e
1-Buyer Agreement in favor of Kush Khanna dated 24th Oct 2011
2-Tripartite Agreement Between Kush Khanna & Orris Infrastructure Pvt ltd & Dewan Housing Finance Corporation Ltd dated 31st Oct 2011
3-Permission for Mortgage from Builder in Favor of Dewan Housing Finance Corporation Ltd dated 31st Oct 2011
4-Receipt no OACP/057 Amt Rs 827500/- dated 21st oct 2011 & Receipt no - OACP/038 dated 20st Sep 2011
5-Demand Letter Dated 31st Oct 2011.
The document was lost on or around 08.05.2026 by Piramal Finance Ltd. Online complaint has been lodged on 07.10.2026 vide application no. LR No: 702953/2026 with DWARKA NORTH /e-Police Station. This Property is mortgaged with **Piramal Finance Ltd** If, any person(s)/Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Raja Ram Singh S/o Late Ram Naresh Singh Army No. JC561892P, Rank - SUB, Posted at 29 Bihar BN NCC, Patna Rajendra Nagar Pin - 800016 & Permanently Residing at Tarwa Majhaulia, Chochahi Chhapra, Kashijha, Dist. - Muzaffarpur, State - Bihar, Pin - 843122 have changed my wife name from Babita Devi to Babita Singh for all future purposes. My wife Aadhaar No. 930008436832. Vide Affidavit No. 930 Dated 26/09/2026 before The Notary Public at Patna Sadar (Patna) in presence of Advocate D. B. Kumar.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री शहनवाज़ वारसी नई दिल्ली स्थित जवाहर पार्क, देवली रोड, खानपुर में स्थित ब्लॉक-A के खसरा संख्या 489 में से 86 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले संपत्ति संख्या -97क जो संपत्ति संख्या A-96 का भाग है, के द्वितीय तल को श्री इश्तियाक हुसैन से क्रय करने का आशय रखते हैं, श्री इश्तियाक हुसैन उक्त संपत्ति के स्वामी हैं, जो उनके पक्ष में श्रीमती मंजू लता द्वारा निष्पादित नोटरीकृत सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विशेष मुख्तारनामा (SPA), विक्रय हेतु अनुबंध (Agreement to Sell) एवं वसीयतनामा (Will) दिनांक 11.02.2008 के आधार पर है, उक्त संपत्ति की दस्तावेजी श्रृंखला में श्रीमती सुधा शर्मा द्वारा श्री दर्शन कुमार के पक्ष में निष्पादित मूल सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विक्रय हेतु अनुबंध एवं वसीयतनामा, श्री बॉबी (ATS) एवं श्री संजय कुमार द्वारा श्रीमती सुधा शर्मा के पक्ष में निष्पादित सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विशेष मुख्तारनामा (SPA), विक्रय हेतु अनुबंध (ATS) एवं वसीयतनामा दिनांक 14.05.2003, तथा श्री दर्शन कुमार द्वारा श्रीमती मंजू लता के पक्ष में निष्पादित मूल सामान्य मुख्तारनामा (GPA), विक्रय हेतु अनुबंध एवं वसीयतनामा दिनांक 20.06.2006 सम्मिलित हैं, उक्त सभी संपत्ति संबंधी मूल दस्तावेज गुम हो चुके हैं, जिसके संबंध में ऑनलाइन FIR दिनांक 07.10.2026 को संख्या 701643/2026 के माध्यम से दर्ज कराई जा चुकी है, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों, ग्रहणाधिकारों, प्रभारों, बंधकों तथा अन्य तृतीय-पक्षीय दावों एवं हितों से मुक्त है। उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्री इश्तियाक हुसैन के पास है, उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखाः गुरुग्राम द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेलः
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

12 व 13 अक्टूबर को गुरुग्राम में होगा पेंशन अदालत का आयोजन

एजेंसी

गुरुग्राम। कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), हरियाणा, चंडीगढ़ के निर्देशानुसार 12 व 13 अक्टूबर को गुरुग्राम में, हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं संबंधित पेंशनभोगियों के लिए पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। पेंशन अदालत का आयोजन कॉन्फ्रेंस हॉल, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, गुरुग्राम में प्रातः 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। कोषाधिकारी नैंसी यादव ने बताया कि पेंशन अदालत में गुरुग्राम जिले से हरियाणा सरकार की सेवा से सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं कार्यरत कर्मचारी (सामान्य भविष्य निधि अंशदाता) अपनी पेंशन एवं संबंधित मामलों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए उपस्थित होकर अपनी शिकायत/समस्या रख सकते हैं। पेंशन संबंधी समस्या के समाधान के लिए आने वाले पेंशनर अपने साथ पेंशन अदायगी आदेश (पीपीओ), आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा संबंधित अन्य आवश्यक दस्तावेज अवश्य लेकर आएं, ताकि उनकी समस्या का समाधान नियमानुसार किया जा सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव गुभाना में आज लगेगा सेवा सेतु कैंप

झज्जर। जिलाभर में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ उनके नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सेवा सेतु कैम्प लगाए जा रहे हैं। डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में लग रहे सेवा सेतु कैम्प में लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिला परिषद के सीईओ मनीष फौगाट ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 अक्टूबर को गांव गुभाना में सेवा सेतु कैंप आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर को गांव पाटोदा, 10 अक्टूबर को गांव बिरोहड़, 12 अक्टूबर को माछरौली ब्लॉक मुख्यालय व गांव ढाकला, 13 अक्टूबर को गांव खुड्डन, 14 अक्टूबर को साल्हावास ब्लॉक मुख्यालय तथा 15 अक्टूबर को गांव भुरावास में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे।

युवाओं की नवाचारी सोच से बनेगा विकसित भारत : शेखावत

बेरी (झज्जर)। जिलाभर में डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को गांव दूबलधन स्थित राजकीय महाविद्यालय में ' सेवा फर्स्ट इनोवेशन चेलेंज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के जिला संयोजक दिनेश शेखावत बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कालेज प्राचार्य डॉ. कर्मबीर ने मुख्य अतिथि दिनेश शेखावत का स्वागत किया और छात्रों को नवाचार अभियान का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि दिनेश शेखावत ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि युवाओं की नवाचारी सोच और जनसेवा की भावना से होगा। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले और समाज की समस्याओं का समाधान देने वाले बनें। शेखावत ने कहा कि युवाओं को समस्याओं पर चर्चा करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने बताया कि सेवा फर्स्ट इनोवेशन चेलेंज' कार्यक्रम युवाओं को समाज और शासन व्यवस्था से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों के समाधान तलाशने का मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहलों से युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

एसआईआर-2026 - लंबित नोटिसों के निपटान के लिए 9 अक्टूबर तक लगेंगे विशेष शिविर : डीसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के दौरान लंबित नोटिसों के निपटान के लिए जिला के प्रत्येक मतदान केंद्र पर 8 व 9 अक्टूबर को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में संबंधित बीएलओ लंबित नोटिसों के निपटान की प्रक्रिया पूरी करेंगे। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आयोग के निर्देशानुसार जिन बीएलओ के पास नोटिसों का निपटान लंबित है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर विशेष शिविर लगाएंगे। इसके साथ ही बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करते हुए लंबित नोटिसों का नियमानुसार निपटान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि 9 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विशेष शिविरों की प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी। संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) तथा सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (एईआरओ) अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर आयोजित शिविरों का निरीक्षण करेंगे ।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का सिंगापुर दौराः हरियाणा में 5,500 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर बनी सहमति

'सिंगापुर दौरा 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा।'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपना तीन दिवसीय सिंगापुर दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने हरियाणा में करीब 5,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सहमति जताई। जानकारी के अनुसार इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि सिंगापुर दौरा 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा। हरियाणा के प्रति वैश्विक निवेशकों की बढ़ती रुचि यह दर्शाती है कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के लिए एक भरोसेमंद एवं आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी प्रशासन, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचा, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराने के लिए

प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं बल्कि इन निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरे के दौरान हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र में करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी। प्रस्तावित निवेश से हरियाणा में अत्याधुनिक अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और वेलनेस सुविधाओं के विस्तार के साथ चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलने की संभावना है। सिंगापुर की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों को देखते हुए जल उपचार एवं प्रबंधन क्षेत्र में भी हरियाणा के प्रति निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई। इस क्षेत्र में करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर सहमति बनी है।

इन निवेशों से आधुनिक जल उपचार संयंत्रों, सीवेज ट्रीटमेंट, औद्योगिक जल प्रबंधन, जल के पुनः उपयोग और स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का मानना है कि सिंगापुर दौरे के दौरान हुए निवेश समझौते हरियाणा में औद्योगिक विस्तार, रोजगार सृजन और आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

2047 का विकसित भारत सिर्फ सरकार का नहीं, हम सभी संकल्प : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कांग्रेस की स्कैम करने वाली सरकार को हटाकर भारतीय जनता पार्टी की सेवा करने वाली सरकार बनाई है, इसके लिए यह सारा देश मोदी जी का आभारी है। उन्होंने कहा 2047 का विकसित भारत सिर्फ सरकार का नहीं, हम सभी संकल्प है। उन्होंने कहा कि सेवा-संकल्प में दो शब्द हैं, एक सेवा है और एक संकल्प है कि हम किस क्षेत्र में कहां कौन सी सेवा कर सकते है उसका हर नागरिक संकल्प ले कि हम सेवा करेंगे। यह बात विज आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल जनसेवा में पूर्ण होने पर अम्बाला में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत अम्बाला शहर पुलिस लाइन में सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम के दौरान कही। कार्यक्रम में ऊर्जा

मंत्री बतौर मुख्यतिथि पहुंचे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि वर्ष 2001 को भारत माता के लाल नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी और तब से आज तक सार्वजनिक जीवन में सेवा करते हुए 25 वर्ष पूर्ण हुए है। इसके उपलक्ष्य में देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा सेवा-संकल्प में दो शब्द हैं, एक सेवा है और एक संकल्प है कि हम किस क्षेत्र में कहां कौन सी सेवा कर सकते है उसका हर नागरिक संकल्प ले कि हम सेवा करेंगे। विज ने कहा कि हमने सभी ने प्रधानमंत्री जी का संबोधन सुना है और जो उपलब्धियां हमने हासिल की है और जो हमारे अगले ऊंचे लक्ष्य तय किए गए हैं और हर जगह पर उन्होंने मैं नहीं बल्कि हम कहा है जिसमें वो भी है मैं भी हूं, असीम जी व सैनी साहब भी हैं और सारी जनता है। अनिल जी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य है उसमें उच्चतम स्तर तक जाने के लिए सरकार तो काम कर रही है लेकिन उसमें हम सबको भी सेवा के काम में जोड़ना है। इसीलिए सेवा ज्योति यात्रा निकाली जा रही है जो हर मोहल्ले, गांव व शहर तक जाएगी।

सेवा सेतु कैंपः ग्रामीणों को एक ही जगह मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी

गांव बुपनिया में आयोजित सेवा सेतु कैम्प में विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल

एजेंसी

बादली। उपमंडल बादली क्षेत्र में डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को गांव बुपनिया में एक दिवसीय सेवा सेतु कैंप आयोजित किया गया। एसडीएम विशाल और अनिल सरपंच शाहपुर ने कैंप का अवलोकन किया।

एसडीएम विशाल ने कहा कि सेवा सेतु कैंप का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक सहज, सरल और सुगम तरीके से पहुंचाना है। ऐसे कैंपों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल रही है, जिससे पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा हो रही है। कैंप में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को विभागीय योजनाओं, सरकारी सेवाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी। साथ ही, पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार अरविंद, एससीपीओ मुकेश सचिव औमपकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा अक्टूबर माह के दौरान गुरुग्राम के चयनित क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों का संचालन

• राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने चयनित परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से अनुरोध किया है कि वे सर्वेक्षण कार्य में नियुक्त अधिकारियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग प्रदान करें।

एजेंसी

गुरुग्राम। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), क्षेत्रीय संकार्य प्रभाग द्वारा अक्टूबर माह के दौरान के दौरान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षणों के अंतर्गत आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस), असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण (एनएचआईएस), प्रवासन विवरण सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) तथा कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण(एसएएस) का संचालन किया जाएगा।

इन सर्वेक्षणों के अंतर्गत गुरुग्राम जिला के चयनित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आँकड़ों का संकलन किया जाएगा। चयनित क्षेत्रों में गुरुग्राम नगर निगम के अंतर्गत सैक्टर-3ए, 6, देवीलाल नगर सैक्टर-9, प्रेमपुरी सैक्टर-32, सुखराली, निहाल कॉलोनी, इस्लामपुर कॉलोनी, भोंडसी, गर्ग कॉलोनी फरुखनगर और ग्रामः जोड़ी, हेराहेड़ी, बपास, जनौला, नवादा फ़तेहपुर, घामडोज सम्मिलित हैं। ये सर्वेक्षण रोजगार, असंगठित क्षेत्र के उद्यमों तथा घरेलू आय, प्रवासन के कारण, पारिवारिक संपत्ति और ऋण का आकलन, कृषि परिवारों की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन, से संबंधित विश्वसनीय सांख्यिकीय आँकड़े उपलब्ध कराते हैं, जो साक्ष्य-आधारित नीतिगत निर्णयों एवं सामाजिक-आर्थिक नियोजन के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने चयनित परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से अनुरोध किया है कि वे सर्वेक्षण कार्य में नियुक्त अधिकारियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर सहयोग प्रदान करें। उत्तरदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई समस्त जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा उसका उपयोग केवल सांख्यिकीय प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

हरियाणा के हर परिवार को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा : आरती सिंह राव

• पूरे राज्य में 1.42 करोड़ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व चिरायु कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराते हुए चिरायु आयुष्मान भारत योजना के व्यापक विस्तार की घोषणा की है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की इस बड़ी पहल के तहत अब ?1.80 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले परिवार भी नाममात्र का वार्षिक प्रीमियम देकर इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठा सकेंगे। योजना के अंतर्गत पात्रता परिवार पहचान-पत्र में दर्ज सत्यापित वार्षिक आय के आधार पर तय की जाएगी और पात्र परिवारों को प्रदेश के सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। आरती सिंह राव ने बताया कि योजना को पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए आय स्लैब के अनुसार प्रीमियम दरें निर्धारित की गई हैं। इसके तहत ?1.80 लाख से 3.00 लाख रुपये वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 1,500 प्रति वर्ष, 3.00 लाख से 6.00 लाख रुपये आय वर्ग के लिए 4,000 रुपये प्रति रुपये वर्ष तथा 6.00 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए 5,000 रुपये प्रति वर्ष का प्रीमियम तय किया गया है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण एवं भुगतान गेटवे पोर्टल 30 नवंबर, 2026 तक खुला रहेगा, जबकि नई पॉलिसी की अवधि 1 नवंबर, 2026 से 31 अक्टूबर, 2027 तक प्रभावी रहेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर प्रकाश डालते हुए आरती सिंह राव ने साझा किया कि आयुष्मान भारत हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा प्राधिकरण के माध्यम से प्रदेश भर के 1,307 सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और चिरायु योजना के तहत अब तक 40,27,391 लाभार्थियों को सफलतापूर्वक इलाज मुहैया कराया जा चुका है। इसके अलावा, 1.8 लाख से 3 लाख रुपये आय वर्ग में अब तक 47,547 परिवारों को योजना का सीधा लाभ मिल चुका है। सरकार द्वारा अब तक कुल 4,617.45 करोड़ रुपये के क्लेम का सफलतापूर्वक निपटारा किया जा चुका है।

सेवा की ज्योति से विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी नई रोशनी : मोहन लाल

विकसित भारत संकल्प सभा (ज्योति यात्रा) का झज्जर में हुआ भव्य आयोजन

एजेंसी

झज्जर। सेवा की ज्योति, राष्ट्र निर्माण का संकल्प और विकसित भारत का सपना–इन तीनों भावनाओं का संगम बुधवार को झज्जर के राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज में देखने को मिला। यहां आयोजित जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने एकजुट होकर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहन लाल कौशिक बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संबोधन का बड़ी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया गया। कालेज परिसर में डीसी वर्षा

खांगवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि मोहन लाल कौशिक व अन्य अतिथिगण ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम उपरांत सेवा ज्योति यात्रा देश भक्ति गीतों के साथ क्रिकेट स्टेडियम तक लाया गया,जहां सभी मेहमानों ने संयुक्त रूप से ज्योति को स्थापित किया। कार्यक्रम में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मुख्य अतिथि मोहन लाल कौशिक ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक इसे अपना व्यक्तिगत संकल्प मानकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करेगा। श्री कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में जनकल्याण की भावना को निरन्तर गति मिल रही है। हमने सेवा को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया है,यही भावना हमें राष्ट्रीय भावना की ओर प्रेरित करती है। मुख्य अतिथि ने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद की मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सेवा है। सेवा ज्योति यात्रा इसी सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि सेवा की यह ज्योति केवल एक यात्रा तक सीमित नहीं है बलिक हर गांव, समाज और प्रत्येक व्यक्ति तक सेवा की ज्योति पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्रहित को प्राथमिकता का संकल्प लेते हुए आगे बढे।

स्थानीय टाउन पार्क के समीप चौक पर सेवा ज्योति की हुई स्थापना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हित में लिए गए ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी निर्णयःकैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा का हुआ भव्य आयोजन

एजेंसी

हिसार । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और समर्पण काल को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत हिसार के ताऊ देवीलाल टाउन पार्क में जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर टाउन पार्क के समीप बनाए गए चौक पर सेवा ज्योति कलश की स्थापना की गई। सेवा ज्योति कलश की स्थापना कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक सावित्री जिंदल, विधायक रणधीर पनिहार और जिला अध्यक्ष आशा खेदड़ द्वारा संयुक्त रूप से की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से हिसार की जनता को संबोधित किया। इससे

पहले कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हित में लिए गए ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि इस जिला स्तरीय संकल्प सभा का मुख्य उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके साथ ही नागरिक सहभागिता के माध्यम से समाज को सशक्त बनाना तथा वर्ष 2047 तक भारत को एक पूरी तरह से आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को धरातल पर सुदृढ़ करना है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन में देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाने के साथ विकास की नई दिशा तय की है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और इसके बाद देश का नेतृत्व करते हुए उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़कों और हाईवे का तेजी से विस्तार हुआ है। नए हवाई अड्डे, मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण हुआ है।

केंद्र सरकार ने आम आदमी को आर्थिक और सामाजिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इतिहास के पन्नों से निकली आजादी की कहानी, गांव कालवास में लगी ऐतिहासिक प्रदर्शनी

एजेंसी

हिसार। क्षेत्रीय अभिलेखागार हिसार मंडल की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कालवास में दो दिवसीय ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं छाया चित्रों की प्रदर्शनी का हिसार प्रथम के खंड शिक्षा अधिकारी राज वीरेंद्र ढिल्लों ने शुभारंभ किया। अपने संबोधन में खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों के ज्ञानवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके माध्यम से युवा पीढ़ी को अपने इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और आसपास के क्षेत्र से जुड़े स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को जानने का अवसर मिलता है। क्षेत्रीय अभिलेखागार हिसार मंडल के सहायक निदेशक अनिल कुमार ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत से रूबरू करवाना है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने के लिए अनेक देशभक्तों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। दिल्ली विश्वविद्यालय से दयाल सिंह कॉलेज के इतिहासकार डॉ उमा शंकर सिंह ने विद्यार्थियों को इतिहास के महत्व से अवगत करवाते हुए कहा कि इतिहास के ज्ञान से वर्तमान को बेहतर ढंग से समझने और भविष्य को उज्जवल बनाने में मदद मिलती है। राजकुमार जांगड़ा ने कहा कि विद्यार्थी इतिहास की पुस्तकों में अनेक घटनाओं के बारे में पढ़ते हैं, लेकिन अपने आसपास घटित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से अक्सर अनजान रहते हैं। यह प्रदर्शनी इस कमी को दूर करने में सहायक होगी।

विश्व निवेशक सप्ताह शुरू, अपने भविष्य में निवेश करें, आज ही इसे सुरक्षित करें

अभियान निवेश समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का दे रहा संदेश

नई दिल्ली।

निवेशकों को बाजार और निवेश से जुड़े फैसले समझदारी से लेने के लिए जागरूक करने वाला विश्व निवेशक सप्ताह 5 से 11 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ सिक्योरिटीज कमीशंस (आईओएसको) की पहल पर शुरू हुआ यह अभियान सेबी और एएमएफआई के नेतृत्व में चल रहा है। इस साल अभियान का संदेश अपने भविष्य में निवेश करें। आज ही इसे सुरक्षित करें है, जिसका उद्देश्य निवेशकों को जागरूकता और भरोसे के साथ निवेश करने में मदद करना है। म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए यह पहल खास है, क्योंकि किसी फंड में निवेश से पहले उसके उद्देश्य, जोखिम, लागत और रणनीति को समझना जरूरी है। बाजार के उतार-चढ़ाव में सिर्फ पिछले रिटर्न देखकर फैसला लेने के बजाय निवेशक को यह देखना चाहिए कि योजना उसके वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। इस साल विश्व निवेशक सप्ताह के प्रमुख विषयों में निवेशक लचीलापन, डिजिटल धोखाधड़ी और ठगी से बचाव शामिल हैं। इसके अलावा, निवेश की बुनियादी बातों और युवा निवेशकों पर भी जोर दिया जा रहा है। सेबी अपनी वेबसाइट पर फर्जी ट्रेडिंग ऐप और स्टॉक मार्केट गुरु के नाम पर होने वाले स्कैम जैसी धोखाधड़ी से बचने की चेतावनी दे रहा है और निवेशकों को केवल सेबी की निगरानी वाले उत्पादों को चुनने की सलाह देता है। समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल पहल के तहत युवाओं को समझने के बाद निवेश करने, विनियमित उत्पाद चुनने, जल्दी शुरुआत करने और निवेश को बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। यह अभियान सिर्फ निवेश शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समझकर और सुरक्षित तरीके से करने का संदेश दे रहा है।

रेपो रेट बढ़ने से ईएमआई होगी महंगी, एफडी कराने वालों को होगा फायदा

जमाकर्ताओं को बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी

नई दिल्ली।

अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। 5 अक्टूबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक चली इस बैठक में पश्चिम एशिया में तनाव से महंगाई के जोखिम, कच्चे तेल और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक दबाव जैसे फैक्टर्स पर फोकस रहा। आरबीआई ने इससे पहले फरवरी 2023 में रेपो रेट में बढ़ाई थी। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट (0.25फीसदी) बढ़ाकर 6.50फीसदी के स्तर पर ला दिया था। इसके बाद से दिसंबर 2024 तक रेपो रेट को इसी उच्चतम स्तर पर स्थिर रखा गया था। 2025 में हालात थोड़े सुधरने पर केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में कुल चार बार 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की, जिससे यह घटकर 5.25फीसदी पर आ गया। दिसंबर 2025 के बाद से अब तक यानी करीब 10 महीनों तक रेपो रेट को इसी स्तर पर रखने के बाद अब रिजर्व बैंक ने इसमें बढ़ोतरी की है। रेपो रेट बढ़ने से बैंक लोन महंगे हो जाते हैं क्योंकि रेपो रेट वह रेट होता है, जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। अब बैंकों के लिए रिजर्व बैंक से लोन लेना महंगा होगा, तो उनके लिए फंड की लागत बढ़ जाएगी। इसके चलते बैंक होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें बढ़ा देंगे। ब्याज दरें बढ़ेंगी, तो ईएमआई पर पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च होगा। भले ही रेपो रेट बढ़ने से आपकी हर महीने जाने वाली ईएमआई महंगी हो जाएगी, लेकिन इसके कुछ फायदे भी हैं। दरअसल, रेपो रेट बढ़ने से बैंकों में एफडी कराने वाले ग्राहकों को फायदा होगा। इससे जमाकर्ताओं को अपनी बचत पर ब्याज दरें पहले के मुकाबले बढ़कर मिलेंगी।

आईपीओ में 46,712 करोड़ रुपये का निवेश

-39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने में खर्च हो रही

मुंबई ।

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए कंपनियां जुटाई गई रकम का बड़ा हिस्सा कर्ज चुकाने में खर्च कर रही हैं। वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में कंपनियों ने नए शेयर जारी कर 46,712 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें से करीब 18,068 करोड़ रुपये यानी 39 फीसदी राशि कर्ज चुकाने के लिए रखी गई। पिछले साल इसी अवधि में यह हिस्सा 32 फीसदी था। आंकड़ों के मुताबिक, क्षमता बढ़ाने, नए प्रोजेक्ट और मशीनरी पर खर्च होने वाली राशि 8,857 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,418 करोड़ रुपये हो गई। वहीं, अधिग्रहण और रणनीतिक निवेश पर खर्च 534 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,436 करोड़ रुपये पहुंच गया। दूसरी ओर, पूंजी मजबूत करने और बैंकिंग लागत में भी बदलाव देखने को मिला। रोजमर्रा के खर्च के लिए रखी गई रकम 7,534 करोड़ रुपये से घटकर 4,521 करोड़ रुपये रह गई। ब्रांड और विज्ञापन पर खर्च भी 471 करोड़ से घटकर 341 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 429 अंक, निफ्टी भी 173 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इस गिरावट का एक बड़ा कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी करना भी रहा। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा जिससे बाजार में बिकवाली शुरु हो गयी। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 429.11 अंक टूटकर 72,638.70 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 173.05 अंक फिसलकर 22,603.05 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली के कारण तकरीबन 2251 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1928 शेयरों में बढ़त आई। वहीं 192 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में टाइटन कंपनी, अडानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएस डब्लयू स्टील और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख थे, जिन्होंने निवेशकों को निराश किया। वहीं, कुछे शेयर ऐसे भी थे जिन्होंने इस माहौल में भी अपनी बढ़त बनाए रखी, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, बीएसई लिमिटेड, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और कोल इंडिया शामिल थे। वहीं सेक्टरों की बात करें तो, मीडिया और पीएसयू बैंक को छोड़कर लगभग सभी

प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स, के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन, धातु और रियल्टी सेक्टरों में 1-2 फीसदी की भारी गिरावट रही, जो दिखाती है कि व्यापक आर्थिक चिंताओं से सभी प्रभावित हुए हैं। आज बाजार गिरावट का सबसे अहम कारण आरबीबाई द्वारा रेपो दर में 25 बेसिस अंकों की बढ़ोतरी रही। जिससे यह दर फरवरी 2023 के बाद पहली बार बढ़ी है।

यह बढ़ोतरी तब हुई है जब बाजार विश्लेषक और निवेशक दोनों मुद्रास्फीति के दबावों पर केंद्रीय बैंक की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे।

इलेक्ट्रिक बाइक रजिस्ट्रेशन में नंबर-1 बनी ओबेन इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

सितंबर 2026 में बेंगलुरु स्थित ओबेन इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों के रजिस्ट्रेशन के मामले में सभी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए कंपनी ने पहला स्थान हासिल किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ओबेन ने पिछले महीने कुल 1,417 इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों का पंजीकरण दर्ज किया, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और बाजार में मजबूत पकड़ का प्रमाण है। ओबेन इलेक्ट्रिक के लिए यह रिकॉर्ड बिक्री उसकी नई रॉर ईवो ईवी बाइक की शानदार प्रतिक्रिया का परिणाम है। आकर्षक डिजाइन, दमदार प्रदर्शन और रोजमर्रा के उपयोग में सुगमता के कारण इस बाइक को ग्राहकों से जबरदस्त सराहना मिली है।

कंपनी ने हाल ही में अपनी बेंगलुरु स्थित फैक्ट्री से 10,000वीं इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल भी तैयार की है, जो उसके उत्पादन क्षमता और मांग को दर्शाती है। सितंबर के आंकड़ों में ओबेन के बाद, रिवोल्ट इंटेलिजेंस 1,027 रजिस्ट्रेशन के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि अल्ट्रावॉयलेट ऑटोमोटिव ने 536 रजिस्ट्रेशन के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मैटर मोटर वर्क्स 69 रजिस्ट्रेशन के साथ चौथे और रैप्टी एनर्जी 17 रजिस्ट्रेशन के साथ पांचवें स्थान पर रही। ओबेन के अनुसार, उसके 18 राज्यों और 90 से अधिक शहरों में 150 से ज्यादा शोरूम और ओबेन केयर सर्विस सेंटर स्थापित हो चुके हैं।

घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत हर शहर में अलग-अलग होती हैं

करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट खर्च और टैक्स जैसे कारकों का पड़ता है असर

नई दिल्ली।

भारत में खाना पकाने के लिए एलपीजी सिलेंडर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है इसलिए इसकी कीमतों में घट-बढ़ का असर सीधे रसोई के बजट पर पड़ता है, जहां आम उपभोक्ताओं की नजर घरेलू सिलेंडर के रेट पर रहती है। वहीं, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे और कैटरिंग सर्विस चलाने वाले कमर्शियल एलपीजी कीमतों पर बारीकी से नजर रखते हैं क्योंकि यह उनके रोज के खर्च का एक नियमित हिस्सा है।

पूरे भारत में एलपीजी की कीमतें एक जैसी नहीं होती हैं। घरेलू या कमर्शियल सिलेंडर की कीमत एक शहर से दूसरे शहर में अलग-अलग हो सकती है। बुधवार को जारी रेट के मुताबिक दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपए है। एलपीजी सिलेंडर की रिटेल कीमतों पर करेंसी में उतार-चढ़ाव, ट्रांसपोर्ट का खर्च और लागू टैक्स जैसे कई कारकों का असर पड़ता है। राज्य सरकारें एलपीजी सिलेंडर पर अपने हिसाब से वैल्यू एडेड टैक्स और स्थानीय कर लगाती हैं, चूंकि हर राज्य में टैक्स की दरें अलग-अलग होती हैं इसलिए राज्यों की सीमाओं के पार होते ही सिलेंडर की कीमतें भी बदल जाती हैं। गैस सिलेंडर रिफाइनरी या एलपीजी बॉटलिंग प्लांट से आपके शहर के डिस्ट्रीब्यूटर तक ट्रकों या ट्रेनों के जरिए पहुंचाए जाते हैं। ऐसे में प्लांट से जिस शहर की दूरी जितनी ज्यादा होगी, भाड़ा उतना ही ज्यादा लगेगा। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों पर डीलर के कमीशन का भी असर पड़ता है।

सोने पर फिलहाल दबाव, 2027 में लौटेगी रौनक-एचएसबीसी

नई दिल्ली ।

वैश्विक वित्तीय सेवा प्रदाता एचएसबीसी का मानना है कि सोने की कीमतों पर फिलहाल दबाव बना रहेगा, लेकिन 2027 तक इसमें फिर तेजी लौट सकती है। हालांकि, यह चमक तुरंत दिखने की उम्मीद नहीं है। इस साल 2026 में सोने ने 5,450 डालर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छूने के बाद 3,942 डालर प्रति औंस तक की गिरावट देखी, जो बाजार में बड़ी अस्थिरता को दिखाती है।

मामले से जुड़े जानकार के अनुसार, ऊंचे कच्चे तेल के दाम, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका ने सोने के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। इन चुनौतियों के चलते बैंक ने अपने शॉर्ट टर्म गोल्ड प्राइस अनुमान में कटौती की है। जानकार बताते हैं कि 2027 में सोने की चाल काफी हद तक अमेरिकी ब्याज दरों पर निर्भर करेगी, यदि अमेरिकी फेडरल रिजर्व बाजार की मौजूदा उम्मीद से कम दरें बढ़ाता है, तब सोने को फिर से मजबूती मिल सकती है। सोने की कीमतों को केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद से बड़ा सहारा मिल रहा है, जो अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश में विविधता लाना और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव करना है। इसके अतिरिक्त, भारत और चीन जैसे बड़े बाजारों में वित्तीय संस्थानों के लिए सोना खरीदने के नियमों में हुए बदलाव भी बड़ी मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, खासकर उस समय में जब प्रॉपर्टी और शेयर बाजार कमजोर चल रहे

हैं। यह अनुमान लगा रहा है कि ऊंची कीमतों और घरेलू बजट पर दबाव के कारण प्रभावित हुई सोने की फिजिकल डिमांड अब अपने निचले स्तर के करीब पहुंच सकती है। हालांकि, सोने की सप्लाई में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना कम है। 2026 और 2027 में खदान उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन नई खदानों और परियोजनाओं को शुरू करने में आने वाली चुनौतियों के कारण यह वृद्धि सीमित रहने की उम्मीद है। ऊंची कीमतों के बावजूद, रिसाइक्लिंग भी अभी उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी उम्मीद की जा रही थी। आने वाले महीनों में डॉलर, कच्चे तेल की कीमतें और अमेरिकी ब्याज दरें सोने के लिए प्रमुख चुनौतियां बनी रह सकती हैं, जो इसकी चाल को प्रभावित करती रहेंगी।

चांदी का बाजार-2027 में आपूर्ति अधिक, निवेश पर संशय

मुंबई ।

इस साल 2026 में चांदी की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। जहां वर्ष की शुरुआत में चांदी 4 लाख प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची थी, वहीं अब यह अपने उच्चतम स्तर से करीब 40 फीसदी गिरकर 2.20 से ₹2.30 लाख प्रति किलोग्राम के आसपास बनी हुई है। वैश्विक बाजार में भी, जो जनवरी में 121 डालर प्रति औंस था, अब यह 60 से 65 डालर प्रति औंस के बीच सिमट गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले साल 2027 में चांदी सरप्लस हो सकती है, जिसका अर्थ है कि इसकी मांग की तुलना में उत्पादन कहीं अधिक होगा। यह स्थिति वर्षों से चली आ रही चांदी की कमी की स्थिति को समाप्त कर देगी। सोने के विपरीत, चांदी की अधिकांश मांग औद्योगिक क्षेत्रों से आती है, जैसे कि ई-वाहन निर्माण, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर उद्योग। हालांकि, हाल के दिनों में इन प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में चांदी की मांग में सुस्ती देखी गई है। विशेष रूप से, दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा बाजार चीन में चांदी की मांग में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही, खदानों से चांदी का उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है, जो 2027 में आपूर्ति की अधिकता को बढ़ावा देगा। कमोडिटी एक्सपर्ट के अनुसार, चांदी की कीमतों में यह अस्थिरता अगले साल 2027 में भी जारी रहने की संभावना है। बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति के चलते वैश्विक स्तर पर इसके भाव में बड़ी वृद्धि की उम्मीद कम है। इसलिए, यदि कोई निवेशक 2026 में चांदी में निवेश की योजना बना रहा है, तो 2027 में उसे बहुत अधिक रिटर्न मिलने की संभावना कम रहेगी। निवेशकों को चांदी में निवेश करते समय इन सभी कारकों पर सावधानीपूर्वक विचार करने की सलाह दी जाती है।

जयपुर में सीएनजी और पीएनजी महंगी हुई

जयपुर ।

जयपुर में बुधवार से कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप वाली नेचुरल गैस (पीएनजी) दोनों की कीमतें 2 रुपये प्रति इकाई बढ़ी हैं। इस बढ़ोतरी के बाद, जयपुर में ष्टहृत्र की कीमत अब 97.50 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 99.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जबकि रसोई गैस के रूप में इस्तेमाल होने वाली क्कहृत्र अब 51.50 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़कर करों सहित 53.50 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर हो गयी है। यह नई दरें आज से ही प्रभावी हुई हैं। गौरतलब है कि ये पहली बार नहीं है जब टोरेंट गैस ने शहर में गैस की कीमतों में इजाफा किया है। इससे पहले इसी साल मई के महीने में भी सीएनज और पीएनजी के दाम बढ़ाए गए थे। इस बार की 2 रुपये की बढ़ोतरी के साथ, कंपनी ने कम समय में दूसरी बार गैस की कीमतों में वृद्धि की है, जिससे उपभोक्ताओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। गैस की कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर जयपुर के हजारों घरों पर पड़ेगा जो खाना पकाने के लिए पीएनजी का इस्तेमाल करते हैं। वहीं उन निजी वाहनों के मालिकों के लिए भी यह खबर चिंताजनक है। जिन लोगों के पास सीएनजी से चलने वाली गाड़ियां हैं, उन्हें अब ईंधन के लिए प्रति किलो 2 रुपये अधिक चुकाने होंगे।

बैंक एसडी पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता

हाई कोर्ट ने कहा- बैंक के पास ब्याज कम करने का वैध कारण होना जरूरी

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को लेकर एक फैसला सुनाया है, जिसके तहत अगर किसी एफडी को कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है, तो बैंक उस पर मिलने वाले ब्याज को अपनी मर्जी से कम नहीं कर सकता।

कोर्ट ने कहा कि बैंक के पास ब्याज कम करने के लिए कोई वैध कारण होना जरूरी है। यह मामला हीरो एक्सपोर्ट्स और टिफिन्स बैरीट्स, एस्बेस्टोस एंड पेंट्स लिमिटेड के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा था, जिसमें कोर्ट के आदेश पर 5.89 करोड़ रुपए की एफडी नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी में बनाई गई थी।

शुरुआत में इस एफडी पर 7.75फीसदी से 8.25फीसदी तक ब्याज मिलता रहा, लेकिन 30 जनवरी 2018 से बैंक ने ब्याज दर घटाकर 3.5फीसदी कर दी। हीरो एक्सपोर्ट्स ने इस कटौती का विरोध किया और मामला कोर्ट पहुंच गया।

मई 2019 में, हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने बैंक को पूरी रकम हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा करने और 30 जनवरी 2018 से मिलने वाले ब्याज की गणना पिछले तीन साल में लागू रही औसत ब्याज दर के आधार पर करने का आदेश दिया।

नैटवेस्ट मार्केट्स पीएलसी ने इस फैसले को चुनौती दी और तर्क दिया कि आरबीआई नियमों के तहत कमर्शियल बैंकों को घरेलू टर्म डिपॉजिट की ब्याज दर तय करने की आजादी है। बैंक ने यह भी कहा कि एफडी की अवधि पूरी होने और उसे दोबारा न बढ़ाने पर उस रकम पर सेविंग अकाउंट की ब्याज दर मिल सकती है। हालांकि, जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस शैल जैन की बेंच ने बैंक की इन दलीलों को नहीं माना और नैटवेस्ट की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने बैंक को 5.89 करोड़ रुपए की एफडी पर ज्यादा ब्याज देने का निर्देश दिया, जिससे बैंकों की मनमानी पर लगाम लग लगी।

विनिर्माण क्षेत्र में दूसरी तिमाही में सुधार- फिक्की सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है, जिसमें कंपनियों के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बढ़ोतरी देखी गई है।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा मंगलवार को जारी एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में लगभग 225 कंपनियों को शामिल किया गया, जिसमें वाहन, पूंजीगत उत्पाद, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु और वस्त्र जैसे नौ प्रमुख क्षेत्र शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 प्रतिशत विनिर्माताओं ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उत्पादन का स्तर पिछली तिमाही (अप्रैल-जून) के मुकाबले अधिक या समान रहने की जानकारी दी है, जो पहली तिमाही के 77 प्रतिशत से काफी बेहतर है। फिक्की ने कहा कि यह सुधार पश्चिम एशिया संकट से उबरने के संकेतों के बीच आया है। मांग के मोर्चे पर भी सकारात्मक रुख दिखा, जहां 90 प्रतिशत कंपनियों ने ऑर्डर का स्तर अधिक या समान बताया, जबकि पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 77 प्रतिशत था। विनिर्माण क्षेत्र में औसत क्षमता उपयोग भी पहली तिमाही के 72 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो गया है। निर्यात के मोर्चे पर भी सुधार देखने को मिला, जहां लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों ने पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले निर्यात का स्तर अधिक या समान रहने की जानकारी दी, जो पहली तिमाही के 74 प्रतिशत से अधिक है।

फिक्की ने इसे सरकार और उद्योग के निर्यात विविधीकरण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम बताया। रोजगार के मोर्चे पर भी आशाजनक संकेत मिले हैं, जिसमें करीब 43 प्रतिशत कंपनियों ने अगले तीन महीनों में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की योजना बनाई है, जो पिछली तिमाही के 35 प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि, विनिर्माताओं पर उत्पादन लागत का दबाव बढ़ा है, जिसमें लगभग 83 प्रतिशत कंपनियों ने बिक्री के प्रतिशत के रूप में उत्पादन लागत बढ़ने की जानकारी दी, जबकि जून तिमाही में यह अनुपात 79 प्रतिशत था। दूसरी तिमाही में विनिर्माताओं द्वारा चुकाई गई औसत ब्याज दर 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गई।

फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एयूएम 31 अगस्त तक 14,000 करोड़ के पार

पछले 15 साल में बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया

निई दिल्ली।

फ्रैंकलिन टेंपलटन के फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 31 अगस्त 2026 तक 14,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया। करीब 20 साल पुराने इस फंड ने मजबूत कारोबारी मॉडल और आगे बढ़ने की क्षमता वाली स्मॉल कैप कंपनियों की पहचान पर ध्यान केंद्रित किया है। फंड ने पिछले 15 साल और अपनी शुरुआत से अब तक बेंचमार्क निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है।

31 अगस्त 2026 तक फंड का 15 साल का सालाना रिटर्न 19.03 फीसदी रहा, जबकि इसी अवधि में निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स का रिटर्न 15.75 फीसदी था। अल्पावधि में फंड का प्रदर्शन बेंचमार्क से थोड़ा पीछे रहा है। पिछले तीन साल में फंड ने 12.82 फीसदी, पांच साल में 16.49 फीसदी और 10 साल में 14.25 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क ने इन्हीं अवधियों में क्रमशः 16.15 फीसदी, 16.55 फीसदी और 14.84 फीसदी रिटर्न दिया। आंकड़ों के मुताबिक योजना की शुरुआत के समय किया गया 10,000 रुपए का एकमुश्त निवेश अगस्त 2026 के अंत तक बढ़कर करीब 1.79 लाख रुपए हो गया। वहीं, पिछले 15 साल तक हर महीने 10,000 रुपए का एसआईपी करने पर निवेश की रकम करीब 81.32 लाख रुपए हो गई। फंड के पोर्टफोलियो मैनेजर अखिल कल्लूरी हैं।

बता दें फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंड मुख्य रूप से छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करती है, जिसमें 65 से 100 फीसदी तक का आवंटन किया जा सकता है। फंड अपनी निवेश रणनीति को लागू करने या पोर्टफोलियो के जोखिम को संभालने के लिए इंडेक्स फ्यूचर्स, स्टॉक फ्यूचर्स और ऑप्शंस जैसे डेरिवेटिव का भी इस्तेमाल कर सकता है।

भारत में सितंबर में ऑटो रिटेल बिक्री 31.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25.37 लाख

मुंबई ।

त्यौहारी मांग और बीते साल के कम आधार के चलते सितंबर में भारत की ऑटोमोबाइल रिटेल बिक्री में जोरदार उछाल दर्ज हुआ है।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर 31.82 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,36,920 इकाई पहुंच गई। अगस्त की तुलना में भी बिक्री में 4.69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

फाडा ने कहा कि सितंबर उद्योग के लिए अब तक का सबसे बेहतर महीना रहा। हालांकि, सालाना वृद्धि को सितंबर 2025 के कम आधार के संदर्भ में देखना चाहिए। बीते साल जीएसटी 2.0 लागू होने से पहले ग्राहकों ने खरीदारी टाल दी थी, जिससे बिक्री प्रभावित हुई थी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कुल ऑटो रिटेल बिक्री 1,55,12,319 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 20.77 प्रतिशत अधिक है। श्रेणीवार आंकड़ों में दोपहिया वाहनों की बिक्री 33.08 प्रतिशत बढ़कर 17,90,188 इकाई रही। यात्री वाहनों की बिक्री 32.10 प्रतिशत बढ़कर 4,27,213 इकाई पहुंच गई।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ

प्रहलाद सबनानी

अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहिले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतें कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूस से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है।

प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएंगे तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयों एवं इन इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयों द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद्द तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिकी में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। (प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसरॉथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोशनी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से ह्यऑप्टोजेनेटिक्सह्ल तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोशनी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरूआत पीटर हेगेमान द्वारा हरे शैवाल के रोशनी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगेमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोशनी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि यह प्रोटीन रोशनी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोशनी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं का नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है।

ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः।

पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए।

महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है?

यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं।

जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये?

यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं।

जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं?

यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली। जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे।

तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?

विश्व डिस्लेक्सिया दिवस- अक्षरों की उलझन में बच्चे : डिस्लेक्सिया की इनसाइड स्टोरी

दिलीप कुमार पाठक

मान लीजिए, एक सात-आठ साल का बच्चा अपनी कॉपी लेकर बैठा है। आप उसे बी लिखने को कहते हैं, वह डी लिख देता है। आप उसे छह लिखने को बोलते हैं, वह नौ बना देता है। आप दो बार डांटते हैं, तीसरी बार हाथ उठा देते हैं। आपको लगता है कि वह जानबूझकर कर रहा है, उसका मन सिर्फ फोन चलाने या खेलने में है। लेकिन हो सकता है उस बच्चे को आपकी बात समझ ही न आ रही हो? उसे कॉपी के पन्ने पर लिखे शब्द सीधे दिखने के बजाय तैरते हुए या उल्टे दिखाई दे रहे हों? बस इसी उलझन का नाम डिस्लेक्सिया है।

इसे समझने के लिए कोई डॉक्टर बनने की जरूरत नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो हमारा और आपका दिमाग अक्षरों को देखकर तुरंत पहचान लेता है। लेकिन कुछ बच्चों का दिमाग इन अक्षरों को थोड़ा अलग तरीके से देखता है। यह कोई बीमारी नहीं है कि डॉक्टर के पास गए, सिरप पिलाया और बच्चा ठीक हो गया। यह दिमाग की अपनी एक बनावट है जो जन्म से ही ऐसी होती है। बच्चा न तो पागल है, न मंदबुद्धि है और न ही कामचोर। उसका दिमाग बस एक अलग सॉफ्टवेयर पर चल रहा है, जिसे हम जबरदस्ती अपने पुराने ढर्रे पर चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ी है। द डिस्लेक्सिया एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, भारत में करीब 10 से 15 फीसदी बच्चे डिस्लेक्सिया से प्रभावित हैं। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि हर स्कूल की क्लास में औसतन दो से तीन बच्चे इस उलझन से जूझ रहे हैं, लेकिन सही जानकारी न होने के कारण उन्हें सिर्फ कमजोर छात्र मान लिया जाता है। अगर आप माता-पिता या शिक्षक हैं, तो इसके लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। इसके मुख्य लक्षण कुछ इस तरह दिखते हैं। पहला यह कि बच्चा लिखते समय बी और डी या पी और क्यु में हमेशा कन्फ़्यूज रहता है। दूसरा, वह शब्दों को उल्टा पढ़ता है जैसे सॉ को वॉज पढ़ लेना या शब्दों को आगे-पीछे कर देना। तीसरा, वह अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तुलना में बहुत अटक-अटक कर और धीरे पढ़ता है। इसके अलावा ऐसे बच्चे बचपन में देर से बोलना शुरू करते हैं या मिलते-जुलते तुकबंदी वाले शब्दों को समझने में उन्हें परेशानी होती है। कई बार एक साथ दो-तीन काम कह दिए जाएं, तो बच्चा कन्फ़्यूज हो जाता है कि पहले क्या करना है।

अब चूंकि यह दिमाग की कुदरती बनावट है, इसलिए इससे बचाव का कोई मेडिकल तरीका या टीका नहीं आता। लेकिन हां, इसके बुरे असर से बच्चे को जरूर बचाया जा सकता है, जिसे एक्सपर्ट्स अर्ली इंटरवेंशन यानी सही समय पर संभालना कहते हैं। इसका सबसे बड़ा बचाव यह है कि बच्चे की दिक्कत को बचपन में ही पहचान लिया जाए। जब आप उसे डांटने के बजाय थेरेपी, ऑडियो-विजुअल टूल्स जैसे वीडियो या एनिमेशन और छूकर सीखने वाले अक्षरों यानी थ्री-डी खिलौनों से पढ़ाते हैं, तो उसका दिमाग शब्दों को डिकोड करना सीख जाता है।

दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन, एप्पल कंपनी बनाने वाले स्टीव जॉब्स और एक्टर ऋतिक रोशन - इन सबमें एक बात कॉमन थी। इन सबको बचपन में पढ़ने-लिखने में भारी दिक्कत आती थी। लेकिन जब इन्हें सही समय पर समझा गया, तो इन्होंने वो कर दिखाया जो आम लोग सोच भी नहीं सकते। इनका दिमाग आउट ऑफ द बॉक्स सोचता है क्योंकि ये शब्दों में नहीं, बल्कि तस्वीरों में सोचते हैं।

दिक्कत बच्चे में नहीं, हमारे रवैये में है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा पहली क्लास से ही टॉपर बन जाए। अगर कोई बच्चा दाएं-बाएं में कन्फ़्यूज हो रहा है, जूते के फीते नहीं बांध पा रहा, या शब्दों को उल्टा लिख रहा है, तो उस पर चिल्लाने के बजाय उसके साथ बैठिए। उसे थोड़ा ज्यादा वक्त दीजिए। अक्षरों को रेत पर उंगली से बनाकर सिखाइए। उसे डांट से ज्यादा इस बात के भरोसे की जरूरत है कि कोई बात नहीं, तू अपनी रफ़्तार से सीख। हर बच्चा रेस का घोड़ा नहीं होता कि चाबुक मारा और वह दौड़ पड़ा। कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन्हें दौड़ने से ज्यादा उड़ना पसंद होता है। उन्हें बस अपनी उड़ान भरने के लिए थोड़ा सा खुला आसमान और अपनों का साथ चाहिए होता है।

(लेखक स्तंभकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष : आकाश में भारत का अभिमान

योगेश कुमार गोयल

आसमान में गूंजता भारत का पराक्रम... भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गाथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुवीरों के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय कराते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला न केवल दर्शकों को रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अभेद्य है। सारंग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है।

वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पराक्रम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' ने ऊंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अदम्य जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे घातक फाइटर जेट्स हैं। सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिनूक और अपाचे जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान न केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन की रीढ़ के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हौंसले भारतीय वायुसेना के सामने पस्त हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही है, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़ाकू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्टरों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती। भारत ने तकनीकी सटीकता, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से यह साबित किया है कि गुणवत्ता संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में यह सिद्ध हो चुका है कि केवल संख्या नहीं बल्कि रणनीति और मनोबल ही विजय सुनिश्चित करते हैं।

इतिहास की बात करें तो भारतीय वायुसेना की नींव ब्रिटिश शासनकाल में रखी गई थी। 8 अक्तूबर 1932 को 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसकी भूमिका अहम रही। उस समय यह सेना ब्रिटिश आर्मी के अधीन थी। स्वतंत्रता के बाद 1950 में इसे 'इंडियन एयरफोर्स' नाम मिला और इसकी पहचान स्वतंत्र सैन्य शाखा के रूप में बनी। सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट पहले चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने और बाद में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी पहले भारतीय प्रमुख बने। उस दौर में मात्र कुछ विमान और सीमित संसाधन थे लेकिन आज वायुसेना के पास आधुनिकतम हथियार, विमानों का विशाल बेड़ा और मजबूत संरचना है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं बल्कि दृष्टिकोण का है। भारतीय वायुसेना का एक बड़ा उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना भी है। एयर शो और शक्ति प्रदर्शन केवल दुश्मनों के लिए संदेश नहीं होते बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने का उत्साह भी देते हैं। वायुसेना का जीवन अनुशासन, साहस और देशभक्ति का संगम है और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल कैरियर के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा के लिए भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तब उसकी सुरक्षा संरचना का मजबूत होना अनिवार्य है। भूमि, जल और आकाश तीनों पर समान अधिकार के लिए वायुसेना की भूमिका सबसे अधिक संवेदनशील और निर्णायक है क्योंकि युद्ध अब केवल धरती पर नहीं बल्कि आकाश में जीते जाते हैं। आधुनिक युग में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। ड्रोन युद्ध, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों का महत्व बढ़ गया है। भारतीय वायुसेना इन नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही है।

भारत की वायु शक्ति केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करती है। विश्व राजनीति में आज जो नए समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत की वायुसेना की शक्ति मित्र देशों के लिए भरोसे का प्रतीक और विरोधियों के लिए भय का कारण है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। भारतीय वायुसेना दिवस हमें केवल गौरव की याद नहीं दिलाता बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों की ओर भी संकेत करता है। वायुसेना को लगातार अपने बेड़े को आधुनिक करना होगा, अधिक स्वदेशी तकनीक अपनानी होगी और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को मजबूत करना होगा। यही आने वाले दशकों में हमारी सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता की गारंटी होगी।

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में क्यों सड़क पर उतरे हजारों लोग, आशियाने के बढ़ते संकट के पीछे क्या है वजह?

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में बढ़ते आवासीय संकट के खिलाफ लोगों का गुस्सा अब सड़क पर दिखाई दे रहा है। किराए के बढ़ते बोझ और घरों की कमी से परेशान हजारों लोग देश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर स्पेन में आवास का संकट इतना गहरा क्यों हो गया? लोगों की नाराजगी की वजह क्या है? सरकार का इस पर क्या रुख है स्पेन में आवास का संकट कई वर्षों से बढ़ रहा है। देश में किराए पर रहने वाले लोगों के लिए घर का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रियल एस्टेट वेबसाइट आइडियलिस्टा के मुताबिक, 2016 में स्पेन में औसत किराया 8.20 यूरो प्रति वर्ग मीटर था, जो इस साल बढ़कर 15.10 यूरो प्रति वर्ग मीटर हो गया। यानी करीब 10 साल में औसत किराया लगभग दोगुना हो गया है।

सऊदी अरब में पाकिस्तान-तुर्किये की सेना होगी तैनात: हूती विद्रोहियों से तनाव के बीच बड़ा फैसला; क्या है योजना?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने सऊदी अरब में सैन्य बलों की तेजी से तैनाती के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति जताई है। यह फैसला सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि तीन देशों के मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। बैठक में सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा से जुड़े हालात और खतरों पर चर्चा की गई। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में तीन देशों के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से डॉन ने बताया कि समिति ने सामूहिक रक्षा से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को तुरंत लागू करने का फैसला किया। समिति ने जरूरी सैन्य बल और क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इन सैन्य बलों की सऊदी अरब में तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई।

ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी: अमेरिका में महिला गिरफ्तार; चीन के लिए कैसे करती थी काम?

बैंकॉक, एजेंसी। एफबीआई ने कैलिफोर्निया की एक रियल एस्टेट एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसे लॉस एंजिलिस हवाई अड्डे पर उस समय पकड़ा गया, जब वह देश छोड़ने जा रही थी। उस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग हीदर नाम से भी जानी जाती है। उसने पिछले साल चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी थी। 34 वर्षीय झांग इरविन में रहती है। उसे रविवार को लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। उस पर चीन के लिए बिना पंजीकरण एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है। यह जानकारी अमेरिका के सहायक संघीय अभियोजक बिल एस्सायली ने दी। शिकायत के अनुसार, झांग ने जिन लोगों पर नजर रखी, उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए। उसने उनकी गाड़ियों के नंबर की जानकारी भी चीनी अधिकारियों को भेजी। एस्सायली ने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'द बिग वीकेंड शो' में बताया कि झांग अमेरिका की नागरिक है। उसने अमेरिकी नागरिकता हासिल की है। उसे चीन जाने वाली उड़ान पर रवाना होते समय गिरफ्तार किया गया। यह तुरंत साफ नहीं हो सका कि उसकी ओर से बोलने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं। उसे सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश किया जाना है। यह मामला न्याय विभाग की ओर से की जा रही ऐसी कार्रवाइयों की नई कड़ी है। इन मामलों का मकसद अमेरिका की जमीन पर चीन के हितों को आगे बढ़ाने वाले कथित गुप्त एजेंटों का पता लगाना है। न्याय विभाग के अनुसार, इनमें से कई मामले उन लोगों से जुड़े हैं, जो अमेरिका में रह रहे लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। विभाग का कहना है कि चीन उन्हें तलाशने और परेशान करने के लिए आक्रामक तरीके अपना रहा है। उनकी आवाज को दबाने की भी कोशिश की जा रही है।

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में 'दुश्मन देश', यह कितना घातक; भारत किस तरफ, तैयारी क्या?

वाशिंगटन, एजेंसी। 'परमाणु शक्ति'। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टर्स को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ हैं उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? इस रेस में दोनों धड़ों की तैयारी कैसी है और कितनी प्रगति हो चुकी है? चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचने का खतरा कितना ज्यादा है? और भारत इस रेस में किस तरफ है? आइये जानते हैं...

पहले जानें- चांद पर परमाणु संयत्र पहुंचाने का मतलब क्या है?

चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब

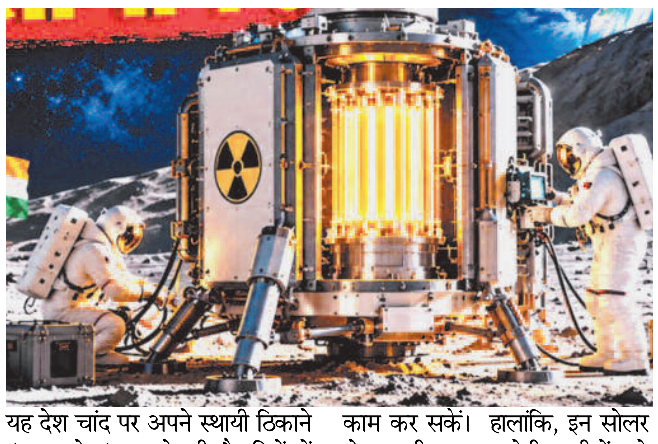

यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन्स में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं।

मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की रोसातोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौर की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है। - नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्टर्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस 'लूनर रिएक्टर-1' को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है।

17 साल बाद होगा फोर्ट हूड कांड का अंत: निडाल हसन की मौत की सजा पर ट्रंप की मुहर, क्या अब भी रुक सकता है फैसला?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हूड सैन्य अड्डे पर गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले सेना के मेजर निडाल मलिक हसन को फायरिंग स्क्वॉड के जरिए मौत की सजा देने को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से अब तक किसी को फांसी या अन्य तरीके से मृत्युदंड नहीं दिया गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अब सेना के सचिव फांसी की तारीख और जगह तय करेंगे।

'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया' : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक्स पर लिखा, 'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया है।' हसन उस समय अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक था। 2009 में वह फोर्ट हूड के एक मेडिकल सेंटर में पहुंचा, जहां सैनिक मेडिकल जांच के लिए मौजूद थे। उसने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हसन ने लेजर से निशाना साधने वाली पिस्तौल से सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गोलीबारी शुरू करने से पहले उसने 'अल्लाहु अकबर' कहा था, जिसका अर्थ है 'ईश्वर महान है।'

'अपने ही लोगों को मारने से रोकना चाहता था' : हसन ने बाद में कहा था कि उसने यह हमला इसलिए किया क्योंकि वह अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने मुस्लिम साथियों को मारने से रोकना चाहता था। मुकदमे के दौरान उसने खुद को बचाने की लगभग कोई कोशिश नहीं की। उसने जूरी के सामने माना था कि गोली चलाने वाला वही था और खुद को ऐसा सैनिक बताया था जिसने 'पाला बदल लिया।'

फांसी अभी तुरंत नहीं होगी, कानूनी रास्ता खुला : ट्रंप की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि हसन को तुरंत मौत की सजा दे दी जाएगी। फैसले के बाद कई कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। हसन इस प्रक्रिया को लंबे समय तक रोकने की कोशिश कर सकता है। इसके लिए वह अमेरिकी संघीय अदालत में हेबियस कॉर्पस याचिका दायर कर सकता है। मई में प्रकाशित आर्मी लॉयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी कानूनी लड़ाई कई साल तक चल सकती है। अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था में मौत की सजा मिलना ही बेहद दुर्लभ है और उसे अमल में लाना उससे भी ज्यादा असामान्य रहा है। फिलहाल सेना की डेथ रो में चार लोग हैं, जिनमें हसन भी शामिल है। इन सभी को कंसास के फोर्ट लीवेनवर्थ में रखा गया है। इससे पहले राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2008 में सेना के जवान रोनाल्ड ग्रे की फांसी को मंजूरी दी थी। हालांकि, एक जज के आदेश के बाद उस सजा पर रोक लग गई।

बाब अल-मंदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटका: सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके; क्या अमेरिका भी साथ आया?

रियाद, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चश्मदीदों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथ?: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या कहा?

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाईदुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाईदुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बता दें कि जिसमें भारतीय पायलट स्मित मच्छार को ओमान के को-पायलट हमम अल-हम्ममी ने चाकू मार दिया था।

यूएई के अधिकारी कर रहे जांच : ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आईं जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पूछताछ के बाद अल-हम्ममी को यूएई को सौंप दिया गया है।

ट्रंप ने क्या कहा : सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।'

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या टिप्पणी की हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से इस बारे में पूछा, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रैटक्लिफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अभी तक कोई ठोस सबूत देखा है।' इस्राइल, यूएई और सऊदी अरब के अधिकारियों ने फ्लाईदुबई की घटना को आतंकी हमला बताया है। लेकिन अभी भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या हमला करने वाले को-पायलट ने अकेले यह कदम उठाया या वह किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था। एबीसी न्यूज ने जांच की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि जांचकर्ताओं का मानना है कि ओमान के को-पायलट ने किसी बड़े संगठन का हिस्सा होने के बजाय अकेले ही यह काम किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। वहीं, यूएई के अटॉनी जनरल और प्रॉसिक्यूटर जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने 3 अक्तूबर को कहा था कि शुरुआती जांत से पता चला है कि हमम अल-हम्ममी ने आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, 'फ्लाईदुबई की फ्लाइट र्स्1073 से जुड़ी घटना की जांच में पता चला है कि को-पायलट ने आतंकवादी हमला करने की कोशिश की थी।' उन्होंने यह भी कहा कि वे घटना के पूरे हालात, मकसद और किसी भी तरह के कनेक्शन का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।

ट्रंप ने फिर किसे दी धमकी?: ब्रिटेन से अमेरिकी बमवर्षक हटाने पर बोले- हम जानते हैं कौन जिम्मेदार, और क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अज्ञात धमकियों के बाद यूके स्थित अपने सैन्य बेस से बॉम्बर विमानों को हटा लिया है। इस घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि इन धमकियों के पीछे कौन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोग बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अमेरिका की वायुसेना ने इंग्लैंड में स्थित अपने एक सैन्य एयरबेस से सभी बमवर्षक विमान वापस बुला लिए हैं। यह एयरबेस अमेरिकी नियंत्रण में है। यहां से ईरान पर हमले किए गए थे। यह कदम आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर कथित आतंकी हमले की साजिश की जांच के बाद उठाया

गया है। आरएएफ फेयरफोर्ड लंदन से करीब 100 मील यानी 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे संघर्षों के दौरान अमेरिका इस एयरबेस का इस्तेमाल अपने बमवर्षक विमानों के लिए करता रहा है। पेंटागन ने की वापसी की पुष्टि पेंटागन ने पुष्टि की है कि आरएएफ फेयरफोर्ड पर तैनात सभी अमेरिकी बॉम्बर्स मूल ठिकानों पर लौट रहे हैं, हालांकि उन्होंने नई चेतावनियों पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह नई जानकारी उसी खतरे का हिस्सा थी जो तीन हफ्ते पहले सामने आई थी, लेकिन पिछले 24 घंटों में कुछ विशिष्ट विवरण मिले और तत्परता की स्थिति अचानक बढ़ गई, जिसके बाद सैन्य कमांडरों ने तत्काल निकासी का फैसला लिया।

मिलिट्री एयर ट्रैकिंग अलायंस जैसे विमानन गतिविधियों पर नजर रखने वाले समूहों ने ईरान युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से आरएएफ फेयरफोर्ड से दर्जनों बी-52 और बी-1 बमवर्षकों को उड़ान भरते देखा है। निगरानी करने वालों ने रविवार को कई बी-1 बमवर्षकों को इस एयरबेस से उड़ान भरते देखा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें नए हमले भी शामिल हैं। ट्रंप ने शुरुआत में अमेरिकी लोगों से कहा था कि यह अभियान कुछ हफ्तों तक चलेगा। व्हाइट हाउस से ओहायो में एक रैली के लिए रवाना होते समय ट्रंप ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ईरान को लेकर मेरे पास फैसले हैं, जो मैं करूंगा। ईरान तबाह हो चुका है। इसलिए एकमात्र सवाल यह है कि यह आसान तरीका होगा या मुश्किल तरीका।

ब्रिटिश उपन्यासकार जेफ्री आर्चर का निधन: कलम से पाई शोहरत, सियासत से विवाद और जेल तक; ऐसा रहा जीवन का सफर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मशहूर लेखक और पूर्व राजनेता जेफ्री आर्चर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अपनी किताबों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले आर्चर का राजनीतिक जीवन झूठी गवाही के मामले में जेल जाने के बाद विवादों में घिर गया था। प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स ने बताया कि आर्चर का सोमवार को उनके घर पर निधन हुआ। खास बात यह है कि उनकी आखिरी किताब 'एडम और ईव' के वैश्विक रिलीज से ठीक एक दिन पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

पांच दशक तक किताबों की दुनिया में छाए रहे : जेफ्री आर्चर का लेखकीय सफर करीब पांच दशक लंबा रहा। उनकी पहली किताब 'नॉट ए पेनी मोर, नॉट ए पेनी लेस' 1976 में प्रकाशित हुई थी। यह उपन्यास उनके उस दौर से प्रेरित बताया जाता है, जब खराब निवेश के चलते वह लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसके बाद 'केन एंड एबेल' समेत उनकी कई किताबें बेहद लोकप्रिय हुईं। हार्पर कॉलिन्स के अनुसार, आर्चर की किताबों की दुनिया भर में करीब 30 करोड़ प्रतियां बिकीं। वह ब्रिटेन की 'संडे टाइम्स' बेस्टसेलर सूची में 14 साल पांच महीने और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की सूची में पांच साल से ज्यादा समय तक बने रहे। आर्चर ने लेखन के साथ ब्रिटेन की राजनीति में भी मजबूत जगह बनाई। वह प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के दौर में कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से आगे बढ़े। 1992 में थैचर के उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने

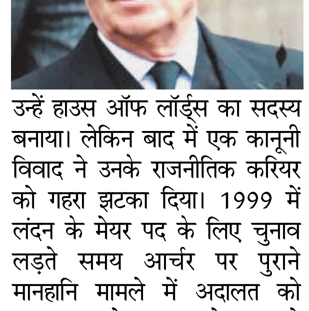

उन्हें हाउस ऑफ लॉर्ड्स का सदस्य बनाया। लेकिन बाद में एक कानूनी विवाद ने उनके राजनीतिक करियर को गहरा झटका दिया। 1999 में लंदन के मेयर पद के लिए चुनाव लड़ते समय आर्चर पर पुराने मानहानि मामले में अदालत को गुमराह करने का आरोप सामने आया। उन्होंने एक अखबार पर मुकदमा किया था, जिसने उन पर एक यौनकर्मी को पैसे देने का आरोप लगाया था।

वह मुकदमा जीत गए थे और उन्हें 5 लाख पाउंड का हर्जाना मिला था। बाद में जूरी ने पाया कि उन्होंने 1987 के मामले में अपने पक्ष में झूठी कहानी और फर्जी अलिबी तैयार किया था। 2001 में उन्हें झूठी गवाही के लिए चार साल की सजा हुई। वह दो साल से कुछ अधिक समय जेल में रहे और 2003 में रिहा हुए। जेल से लौटने के बाद भी आर्चर ने लेखन जारी रखा। उन्होंने जेल के अनुभवों पर तीन हिस्सों वाली 'अ प्रिजन डायरी' लिखी, जिसमें 'हेल', 'परगेटरी' और 'हेवन' शामिल थे। इन किताबों में ब्रिटेन की जेलों और कैदियों की जिंदगी की झलक देखने को मिली। आर्चर ने राजघराने में बेटियों को बेटों के बराबर उत्तराधिकार का अधिकार देने की मांग भी उठाई थी।

सऊदी अरब पर हूतियों ने दागी मिसाइलें, रियाद एयरपोर्ट और अरामको रिफाइनरी को बनाया निशाना

यमन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई अहम ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। निशाने पर राजधानी रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिघ में अरामको की रिफाइनरी भी रही। हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की है। हूतियों का कहना है कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किए गए।

हूतियों का दावा- तीन बड़े सैन्य ऑपरेशन किए : हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने सोमवार को टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन 'गुणात्मक सैन्य अभियान' चलाए। सरी के मुताबिक, पहला अभियान रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमला 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ।

अरामको रिफाइनरी में आग लगने का दावा : सरी ने बताया कि दूसरे अभियान में राबिघ स्थित अरामको रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला भी 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया और इसके बाद निशाना बनाए गए परिसर

में आग लग गई। हूती प्रवक्ता के अनुसार, तीसरे अभियान में पश्चिम एशिया के सऊदी क्षेत्र असिर में अबहा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और अकीफा कैंप को निशाना बनाया गया। इसके अलावा नाजरान और जिजान में 'अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों' पर भी हमले किए गए। सरी ने कहा कि इन हमलों को यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में अंजाम दिया गया।

सऊदी हमलों के जवाब में कार्रवाई का दावा : सरी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए। उनके मुताबिक, इन हमलों में राजधानी सना के साथ-साथ अल-जौफ, ताइज, हज्जा, सादा और मारिब प्रांतों को निशाना बनाया गया और महिलाओं तथा बच्चों समेत आम नागरिक भी हताहत हुए।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को भी हूतियों की चेतावनी : हूती प्रवक्ता ने सऊदी हवाई क्षेत्र से होकर उड़ान भरने वाली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को छोड़कर सऊदी हवाई क्षेत्र में उड़ान संचालन को लेकर एयरलाइनों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सऊदी अरब ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की : हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूतियों की लगातार जारी कार्रवाई की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने नागरिकों, नागरिक प्रतिष्ठानों और आर्थिक ठिकानों को निशाना बनाने को गंभीर बताया। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हूती मिलिशिया ने मक्का और मदीना जैसे पवित्र स्थलों के साथ-साथ राजधानी रियाद और अबहा, खमिस मुशैत, जिजान, नाजरान, ताइफ और यनबू जैसे शहरों को भी बार-बार निशाना बनाया है। मंत्रालय के मुताबिक, हूतियों ने दक्षिणी लाल सागर और बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों को भी निशाना बनाया है।

जानकारी

कमजोरी दूर करेगा यह प्रोटीन पाउडर

जानें घर पर प्रोटीन पाउडर बनाने का तरीका

आमतौर पर प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल जिम जाने वाले लोग और एथलीट्स ही ज्यादा करते हैं। इसका कारण ये है कि प्रोटीन मसल्स को बढ़ाते हैं और शरीर को गठीला बनाते हैं। मगर प्रोटीन की जरूरत तो हर किसी को होती है। सर्दी के मौसम में अगर आप रोजाना सुबह एक ग्लास दूध के साथ 2 चम्मच प्रोटीन पाउडर मिलाकर पीएं, तो आप दिनभर एनर्जी से भरे रहेंगे और आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। प्रोटीन हार्ट और लंग्स को भी स्वस्थ रखते हैं। इसके अलावा ये शरीर के पीएच स्तर को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध अधिकांश प्रोटीन पाउडर्स बहुत महंगे होते हैं और इनमें कई हानिकारक तत्वों के मिले होने के भी मामले पाए गए हैं। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं घर पर ही अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए टेस्टी, सुरक्षित, शाकाहारी और हेल्दी प्रोटीन पाउडर बनाने का आसान तरीका।

1 ग्लास दूध में 2 चम्मच मिलाकर पीने से मिलेगा कमजोरी से छुटकारा

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए जरूरी सामग्री

■ प्रोटीन बेस ■ पौधों और फलों से प्राप्त प्रोटीन वाले बीज ■ एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स के लिए नट्स ■ फ्लेवर के लिए आपका मनपसंद भारतीय मसाला ■ प्रोटीन बेस

प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए आपको सबसे पहले प्रोटीन बेस की जरूरत होगी, जो आपको लोकल मार्केट या ऑनलाइन स्टोर पर आसानी से मिल जाएगा। सबसे सेफ और नैचुरल प्रोटीन बेस वो होते हैं, जिन्हें पौधों से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए आप 2 में से कोई एक प्रोटीन पाउडर बेस चुन सकते हैं-

स्पिरुलिना से बना प्रोटीन बेस: इसमें 2 चम्मच स्पिरुलिना पाउडर में 8 ग्राम

न्यूट्रीशनल यीस्ट प्रोटीन बेस: इसमें भी 2 चम्मच बेस में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है।

बेस के बाद अब आपको कुछ अन्य चीजें इसमें मिलानी हैं।

प्रोटीन से भरे बीज चुनें

बाजार में ऐसे ढेर सारे बीज उपलब्ध हैं, जिनमें प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है। प्रोटीन पाउडर बनाने के लिए बीजों का इस्तेमाल करना बहुत अच्छा होता है। चूंकि बीज पौधों से प्राप्त होते हैं और पूरी तरह प्राकृतिक होते हैं, इसलिए ये पाउडर आपके घर के हर सदस्य के लिए सुरक्षित होता है। प्रोटीन पाउडर के लिए आप नीचे बताए गए बीजों में से 1 या 1 से ज्यादा बीज चुन सकते हैं। आमतौर पर 4-5 चम्मच बीज काफी होते हैं।

■ सूरजमुखी के बीज ■ चिया बीज ■ अलसी का बीज ■ कद्दू के बीज ■ ब्राउन राइस पाउडर

नट्स से बढ़ाएं प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स की पावर

अपने प्रोटीन पाउडर को ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें नट्स को भी मिला सकते हैं। सभी नट्स जैसे- काजू, बादाम, अखरोट, पिस्ता, मूंगफली आदि में ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स होते हैं, जो आपके शरीर को बीमारियों से बचाते हैं और हेल्दी रखते हैं। प्रोटीन पाउडर में आप अपने मनपसंद नट्स का पाउडर बनाकर मिला सकते हैं।

अपना मनपसंद फ्लेवर मिलाएं

प्रोटीन पाउडर को टेस्टी बनाने के लिए आप इसमें अपना मनपसंद फ्लेवर भी मिला सकते हैं। मगर यहां अगर आप अच्छा और हेल्दी प्रोटीन पाउडर चाहते हैं तो आपको आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं, बल्कि घर पर ही मसालों और ड्राई फ्रूट्स से बने फ्लेवर्स मिलाने चाहिए, जैसे- तुलसी के सूखी पत्तियों का पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च का पाउडर, आर्गेनो पाउडर या हल्दी पाउडर आदि। ऊपर बताई गई सभी चीजों को मिलाएं और बस आपका प्रोटीन पाउडर तैयार है। इस प्रोटीन पाउडर को आप 3 साल के बच्चों से लेकर किसी भी उम्र तक के बुजुर्ग को दे सकते हैं। पौधों से प्राप्त चीजों से बना होने के कारण ये पूरी तरह सुरक्षित है।

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

सेहत

87 प्रतिशत बच्चे बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं मोबाइल

आंखों पर पड़ रहा है असर

बच्चों में स्क्रीन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। पर सबसे खतरनाक बात ये है कि हमारे नवजात शिशु भी कंप्यूटर और मोबाइल जैसे उपकरणों के आदी हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, आज बच्चे टीवी देखने या कंप्यूटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करने में बहुत अधिक समय खर्च कर रहे हैं। ऐसा उन बच्चों में ज्यादा है, जो प्रेग्नेंसी के दौरान ज्यादा स्क्रीन से चिपकी रहती थीं। एक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 12 महीने की उम्र के बच्चे औसतन रोज 53 मिनट स्क्रीन पर खर्च कर रहे हैं, वहीं 3 साल की उम्र और इससे ज्यादा के बच्चे लगभग 150 मिनट से अधिक फोन और कंप्यूटर के इस्तेमाल पर खर्च कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार इस तरह इन बच्चों में आगे चलकर कुछ बड़ी बीमारियों के शिकार होने की संभावनाएं ज्यादा है। आइए जानते हैं इस अध्ययन के बारे में-

शोधकर्ताओं ने उल्लेख किया कि 8 वर्ष की आयु तक, बच्चों द्वारा किसी न किसी प्रकार के स्क्रीन पर समय बिताने की सबसे अधिक डाटा पाए गए हैं, जो इस बात का संकेत करते हैं कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संकट में है। अध्ययन में अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (NIH) की वरिष्ठ लेखिका एडविना येंग ने कहा, 'हमारे नतीजे बताते हैं कि स्क्रीन की आदतें जल्दी शुरू होती हैं।' अल्बनी और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन मेडिकल सेंटर के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, अपस्टेट किड्स स्टडी के आंकड़ों का विश्लेषण किया है, जो मूल रूप से बांझपन के उपचार के बाद विकसित बच्चों के विकास के क्रम की जांच करना था।

अनुसंधान में कदम

अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लगभग 4,000 बच्चों की माताओं ने 12, 18, 24, 30 और 36 महीने की उम्र में अपने बच्चों की मीडिया की आदतों पर पूछे गए सवालों के जवाब दिए। उन्होंने इसी तरह के सवालों का जवाब दिया, जब बच्चे 7 और 8 साल के थे। अध्ययन ने जन्म के रिकॉर्ड और अन्य सर्वेक्षणों से माताओं और बच्चों पर अतिरिक्त जनसांख्यिकीय जानकारी संकलित की। वहीं इस शोध में अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल मीडिया एक्सपोजर से बचने की सिफारिश की। जहां ये संस्था बताती है कि 18 से 24 महीने के बच्चों को धीरे-धीरे स्क्रीन मीडिया की आदत ज्यादा जल्दी लग रही है, वहीं 2 से 5 साल की उम्र के बच्चों के लिए दिन में एक घंटे स्क्रीन पर खेलने के समय को कम करने की कोशिश करनी होगी।

वर्तमान अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने पाया कि कुल मिलाकर 87 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं, जिनमें ये स्क्रीन का इस्तेमाल धीरे-धीरे बढ़ रहा है। हालांकि, जबकि स्क्रीनिंग समय 7 और 8 साल की उम्र तक के बच्चों में प्रति दिन 1.5 घंटे से कम है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कमी स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समय से संबंधित है। शोधकर्ताओं ने बच्चों को दो समूहों में वर्गीकृत किया जो इस बात पर आधारित था कि उनकी औसत दैनिक स्क्रीन का समय 1 वर्ष से 3 वर्ष की आयु तक बढ़ गया है।

पहला समूह, जिसमें 73 प्रतिशत बच्चे औसतन 51 मिनट एक दिन का स्क्रीन पर बिताते थे। वहीं दूसरे समूह, जिसमें 27 प्रतिशत बच्चे दिन में लगभग 4 घंटे स्क्रीन पर खर्च करते हैं। वहीं माता-पिता की शिक्षा के उच्च स्तर दूसरे समूह में शामिल किए जाने की कम बाधाओं से जुड़े थे। यानी जिन बच्चों के मां-बाप जितने ज्यादा पढ़े-लिखे थे उतना ही उनके बच्चे स्क्रीन डिवाइस का इस्तेमाल कर रहे थे। वहीं कम पढ़े-लिखे मां-बाप के बच्चे इसका इस्तेमाल कम कर रहे थे। वहीं शोधकर्ताओं की मानें, तो लड़कों की तुलना में लड़कियों में स्क्रीन पर बिताने का समय कम था। वहीं इस तरह इन बच्चों को देखते हुए शोधकर्ताओं का कहना है कि मां-बार ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को स्क्रीन से दूर रखें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1770

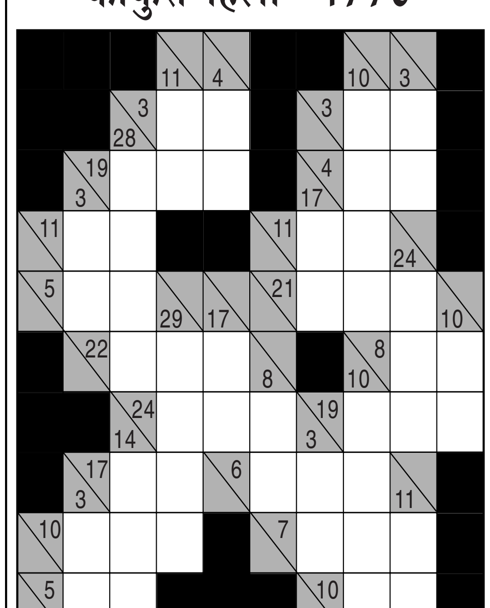

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

16 → 1 2 3 4 6

23 ↓ 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1769 का हल

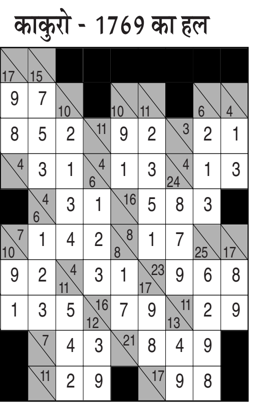

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1770

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 1769

सूडोकु -1770

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1769 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 1770

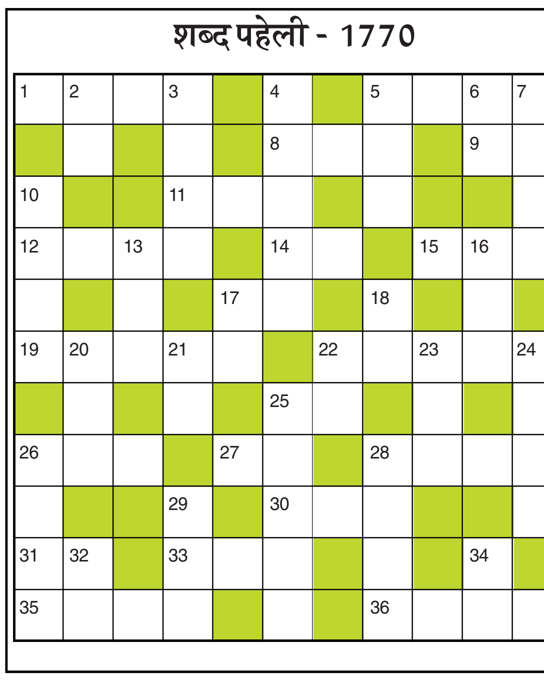

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली - 1769 का हल

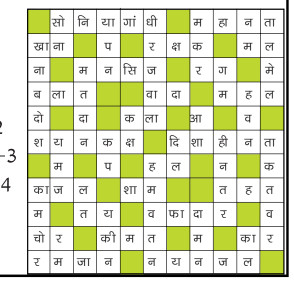

जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

एजेंसी

जयपुर । राजधानी जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का राजस्थान का 55 वां सेंटर खुल गया है । सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने इस केंद्र का शुभारंभ किया । इस मौके पर सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने एक पीपीटी के जरिये बताया कि आखिर क्यों जेनेरिक दवाईयां जरूरी है । पीएमबीआई के सीईओ शांतनु कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्देश्य महंगी दवाईयों को सस्ती दर पर मरीजों को उपलब्ध करवाना है । समारोह में सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि देश में आम परिवार के हर व्यक्ति को उचित कीमत पर दवाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने हमेशा इस बात पर ज़ोर दिया है और राजस्थान में हमने भी लगातार कोशिशें की हैं ताकि आम आदमी जिसमें गरीब भी शामिल हैं उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। हमारा मकसद उन्हें ज़रूरी दवाएं उपलब्ध कराना है । क्योंकि खुले बाज़ार से खरीदी गई दवाएं अक्सर महंगी होती हैं । प्रचार और विज्ञापन का खर्च हटाकर, हम 'प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र' के ज़रिए आम ग्राहकों तक ये दवाएं पहुंचा पा रहे हैं ।

सेवा संकल्प अभियान के समापन पर मां गंगा की उतारी आरती, दुग्धाभिषेक कर पीएम के यशस्वी जीवन की कामना, घाट पर सफाई कर स्वच्छता का दिया संदेश

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नमामि गंगे की ओर से सामने घाट पर विशेष आयोजन किया गया। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित कार्यक्रम में मां गंगा की आरती उतारी गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान दूध से मां गंगा का अभिषेक कर बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से प्रधानमंत्री के लिए आशीर्वाद मांगा गया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला के संयोजन में हुए कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रध्वज तिरंगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर लेकर मंत्रोच्चार के बीच उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों का अभिनंदन किया। धार्मिक परंपरा के अनुरूप हुए आयोजन में प्रधानमंत्री के कार्यकाल से जुड़े विकास और जनकल्याण के कार्यों का भी उल्लेख किया गया।

राष्ट्रीय फलक पर चमके बीएचयू के कृष्णा सिंह, मिला नेशनल फोटोग्राफी अवार्ड

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर कृष्णा सिंह ने छायाचित्र कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल की है। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से आयोजित 19वीं अखिल भारतीय छायाचित्र कला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में उनकी उत्कृष्ट छायाचित्र कृति का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए किया गया। पांच अक्टूबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कृष्णा सिंह को नेशनल फोटोग्राफी अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में उन्हें कला एवं छायाचित्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 20 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि, अंगवस्त्रम और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि से बीएचयू के दृश्य कला संकाय और विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

बीएचयू में कथित गलत सर्जरी मामले की फिर होगी जांच, मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर सीएमओ ने गठित की टीम

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीज की कथित गलत सर्जरी किए जाने के मामले में अब नए सिरे से जांच शुरू हो गई है। मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनपी सिंह ने जांच के लिए टीम गठित की है। टीम मरीज के भर्ती होने से लेकर ऑपरेशन थिएटर तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया की पड़ताल करेगी। इलाज, जांच, चिकित्सकीय परामर्श, भर्ती और शल्य चिकित्सा से जुड़े अभिलेख भी जांच के दायरे में होंगे। इस मामले में आईएमएस बीएचयू प्रशासन की ओर से पहले आंतरिक जांच कराकर रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को भेजी जा चुकी है। हालांकि, शिकायतकर्ता ने जांच रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद मानवाधिकार आयोग ने मामले की दोबारा जांच कराने का निर्देश दिया। आयोग ने जिलाधिकारी और सीएमओ को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा था।

प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक नेतृत्व को 25 साल

बेल्जियम, नाइजीरिया और डोमिनिकन रिपब्लिक ने दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर, डोमिनिकन रिपब्लिक के प्रधानमंत्री रूजवेल्ट स्केरिट और नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बतौर मुखिया सरकार में 25 वर्ष पूरा करने पर बधाई दी। वेवर ने साझेदारी को और मजबूत करने की इच्छा जताई तो रूजवेल्ट ने उनके प्रति दिखाई उदारता के लिए आभार जताया वहीं, नाइजीरिया ने इसे 'दुर्लभ उपलब्धि' करार दिया। अपने बधाई संदेश में, वेवर ने भारत की अपनी हालिया यात्रा को 'फलदायी' बताया। एक्स पोस्ट में, वेवर ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजरात से नई दिल्ली तक सरकार में लगातार 25 वर्षों के नेतृत्व के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। पिछले महीने भारत की मेरी फलदायी यात्रा के बाद, मैं हमारे दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं। ' वहीं, डोमिनिकन रिपब्लिक के पीएम रूजवेल्ट स्केरिट ने अपने प्रिय मित्र के साथ क्लिक की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, ' मेरे प्रिय मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मैं आपको सरकार के प्रमुख के रूप में लगातार 25 वर्षों

की सेवा के लिए हार्दिक बधाई देता हूं, यह एक ऐसी यात्रा है जो गुजरात में शुरू हुई और भारत के आपके नेतृत्व के माध्यम से जारी रही। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, मैं डोमिनिका के प्रति आपकी मित्रता और हमारे लोगों के प्रति दिखाई गई उदारता के लिए अपनी सराहना व्यक्त करना चाहता हूं। मैं हमारे देशों के बीच के बंधन को महत्व देता हूं और आने वाले वर्षों में इसे और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। '

उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए आगे लिखा कि डोमिनिका की सरकार और लोगों की ओर से, और व्यक्तिगत रूप से, मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य, शक्ति और भारत के लोगों की सेवा में निरंतर सफलता की कामना करता हूं। नाइजीरिया के संघीय गणराज्य की सरकार और जनता की ओर से राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू ने बधाई प्रेषित की। उन्होंने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'किसी भी लोकतंत्र में लगातार 25 वर्षों तक सरकार के प्रमुख के रूप में नेतृत्व करना एक दुर्लभ उपलब्धि है। ' राष्ट्रपति टिनूबू ने कहा, ' 7 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने के 25 साल पूरे हो रहे हैं। उनकी जनसेवा का यह सफर बिना किसी रुकावट के जारी रहा। गुजरात की जनता की 12 साल से अधिक समय तक सेवा करने के बाद वह 2014 से भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर नेतृत्व कर रहे हैं। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में 25 वर्षों तक लगातार नेतृत्व करना इस बात का ठोस प्रमाण है कि भारतीय जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर कितना भरोसा जताया है। '

हैदराबाद में फर्जी फॉर्म-7 के मामले में भाजपा के बूथ एजेंट पर केस दर्ज

30 वोटरों के नाम हटाने की कोशिश

एजेंसी

हैदराबाद । तेलंगाना में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए फर्जी फॉर्म 7 के इस्तेमाल का मामला सामने आया है। हैदराबाद पुलिस ने भाजपा के एक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी का नाम एस. बालाचंदर है, जो मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का बीएलए है। उस पर आरोप है कि उसने 30 प्री-प्रिंटेड फॉर्म 7 जमा कर वोटर लिस्ट से नाम हटाने की कोशिश की। चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 217 और 318(2) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत मामला दर्ज हुआ है। यह कार्रवाई मुशीराबाद के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) टी. प्रवीण कुमार की शिकायत के बाद की गई। शिकायत के मुताबिक, बालाचंदर 28 सितंबर

को पोलिंग स्टेशन नंबर 210 पर 30 डिजिटल प्री-प्रिंटेड फॉर्म 7 लेकर पहुंचा था। इन फॉर्म में 30 वोटर्स के नाम हटाने की मांग की गई थी, जिनमें कांग्रेस के एक बीएलए और उसके परिवार के लोग भी शामिल थे। बालाचंदर ने खुद इन फॉर्म पर साइन किए थे और इन्हें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को देने की कोशिश की। बीएलओ ने एक साथ इतने फॉर्म लेने से इनकार कर दिया और कोई रसीद नहीं दी, तो वह फॉर्म वहीं छोड़कर चला गया।

बाद में जांच में पता चला कि जिन 30 लोगों के नाम हटाने की मांग की गई थी, वे सभी अपने दर्ज पते पर ही रह रहे हैं। यानी फॉर्म में दी गई जानकारी गलत थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुधर्सन रेड्डी ने 5 अक्टूबर को आदेश दिया था कि फॉर्म 6, 6ए, 7 और 8 में जानबूझकर झूठा बयान देने वालों पर कार्रवाई की जाए। सीईओ ने सभी डीईओ को मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के नियम 20 के तहत जांच करने के बाद कार्रवाई करने को कहा था। इस आदेश के बाद तेलंगाना में यह पहला केस दर्ज हुआ है।

इसी तरह के प्री-प्रिंटेड फॉर्म बहादुरपुरा और गोशामहल विधानसभा में भी सामने आए हैं। इनमें जिन लोगों के नाम हटाने की मांग थी, वे सभी मुस्लिम थे, जिससे समुदाय विशेष को टारगेट करने के आरोप लगे हैं।

जनगणना-2027 में अन्य पिछड़ा वर्ग की पृथक जातिगत गणना हो: रवि शंकर धाभाई

एजेंसी

जयपुर। अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री एवं महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त को पत्र भेजकर आगामी जनगणना-2027 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग की पृथक जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। धाभाई ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रमाणिक एवं अद्यतन जनसंख्या के आंकड़ों के अभाव में सामाजिक न्याय, समान अवसर, आरक्षण, प्रतिनिधित्व तथा कल्याणकारी नीतियों का वस्तुनिष्ठ निर्धारण प्रभावित होता है। उन्होंने जनगणना प्रपत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए स्पष्ट पृथक कॉलम शामिल करने तथा जनगणना पूर्ण होने के बाद प्रमाणिक आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रमाणिक आंकड़ों के आधार पर पंचायती राज एवं नगरीय निकायों सहित शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास से संबंधित नीतियों की समीक्षा संभव होगी। धाभाई ने इसे सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर से जुड़ा महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक विषय बताया।

वी.टी. रोड मेला ग्राउंड में जनसेवा यात्रा में शामिल हुए सीएम

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल पर वर्चुअल संवाद

एजेंसी

जयपुर। आज जयपुर के वी.टी. रोड स्थित मेला ग्राउंड में 'जनसेवा यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा' (सेवा ज्योति यात्रा) का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ समेत बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर, इस कार्यक्रम के दौरान वर्चुअल माध्यम से उनका ओजस्वी और प्रेरणादायी उद्बोधन सुनने का अवसर मिला। राष्ट्र प्रथम और सुशासन को समर्पित यह 25 वर्षों का सेवाकाल प्रत्येक नागरिक को देश के नवनिर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। इसी ऊर्जा के साथ, प्रधानमंत्री के प्रेरक विचारों के उपरांत सभा में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित किया गया तथा 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने की शपथ ली गई। प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान निरंतर प्रगति के नए आयाम छू रहा है। डबल इंजन की सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जन-कल्याण और समग्र खुशहाली के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर देवतुल्य जनता के साथ मिलकर

प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को गति देने और राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने का दृढ़ संकल्प दोहराया गया। इस आयोजन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पटना में 'संकल्प सभा': सीएम सम्राट बोले- 'विकसित भारत' के लिए समृद्ध बिहार जरूरी

एजेंसी

पटना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से बुधवार को पटना में 'विकसित भारत संकल्प सभा' एवं 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के वर्चुअल संबोधन को बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने सुना। सभा के बाद 'सेवा ज्योति यात्रा' निकाली गई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में विशेष महत्व रखता है। आज से 25 वर्ष पहले इसी दिन नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया और इसके बाद प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि भाजपा और जनसंघ की विचारधारा ने हमेशा राष्ट्रहित और लोकतंत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आपातकाल के दौरान जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपने संगठन का विलय तक किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा भाव के साथ राष्ट्र निर्माण का काम आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विपक्षी इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ ऐसे नेतृत्व के साथ लोग काम कर रहे हैं, जिनके मन, दिल और कार्य में सेवा है, जबकि दूसरी तरफ विपक्ष के नेताओं के लिए 'मेवा' महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत और समृद्ध बिहार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना होगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, बिजली और पीएम सूर्य घर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य आम लोगों के जीवन में बदलाव लाना है।

आविन दूध की कमी की शिकायतों के बीच मुख्यमंत्री विजय ने माधवरम संयंत्र का किया निरीक्षण, प्रयोगशाला का उद्घाटन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को चेन्नई के माधवरम स्थित आविन दूध संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु दुग्ध उत्पादक संघ की ओर से 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा गया। माधवरम स्थित आविन संयंत्र चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में दूध आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। हाल के दिनों में तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में आविन दूध की उपलब्धता को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके अलावा दुग्ध उत्पादों की खरीद और कीमतों को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री के संयंत्र के निरीक्षण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने संयंत्र परिसर में 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन किया। इस प्रयोगशाला का निर्माण दूध और विभिन्न दुग्ध उत्पादों की अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से सटीक जांच के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। नई प्रयोगशाला के माध्यम से दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता तथा निर्धारित मानकों की जांच को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने माधवरम आविन दूध संयंत्र परिसर में 152 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नई इमारत का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति और संयंत्र से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। माधवरम संयंत्र से चेन्नई तथा आसपास के इलाकों में दूध की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में संयंत्र की उत्पादन, भंडारण और वितरण व्यवस्था से जुड़ी परियोजनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हाल के दिनों में आविन दूध की कमी की शिकायतें सामने आई थीं। वहीं, दुग्ध उत्पादों की खरीद को लेकर भी सवाल उठे हैं। कर्नाटक से घी जैसे उत्पादों की खरीद किए जाने के आरोपों के अलावा आविन दूध की कीमतों को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही गई है।

55 दिन से गंगा में नावें खड़ी, नाविकों के सामने रोजी-रोटी का संकट

जल पुलिस से कई दौर की वार्ता के बाद भी नहीं मिली अनुमति

एजेंसी

वाराणसी। गंगा में करीब 55 दिनों से नौका संचालन बंद होने से नाविक समाज के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। नावें किनारे खड़ी हैं और नाविकों की रोजाना होने वाली कमाई पूरी तरह ठप है। लंबे समय से आय का साधन बंद होने के कारण परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई, राशन और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। नाविक समाज ने प्रशासन से गंगा की मौजूदा परिस्थितियों का आकलन कर सुरक्षा मानकों के साथ जल्द नौका संचालन शुरू कराने की मांग की है। नाविकों का कहना है कि गंगा में जलस्तर और परिस्थितियों को देखते हुए नौका संचालन बंद किया गया था।

इसके बाद से नाविक समाज की ओर से जल पुलिस के अधिकारियों से कई दौर की वार्ता और बैठक की जा चुकी है। हर बार सुरक्षा और परिस्थितियों को लेकर चर्चा हुई, लेकिन अभी तक नाव चलाने की अनुमति नहीं मिल सकी है। नाविकों का कहना है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन लगातार 55 दिनों तक नाव बंद रहने से उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। नाविक समाज के लोगों के मुताबिक अधिकांश परिवारों की आजीविका नौका संचालन पर निर्भर है। प्रतिदिन नाव चलाकर मिलने वाली आय से ही घर का राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवा और अन्य जरूरी खर्च पूरे होते हैं। नौका संचालन बंद होने के बाद आमदनी का यह प्रमुख स्रोत समाप्त हो गया है। नाविकों का कहना है कि गंगा में नौका विहार करने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों से उनकी रोजाना की आय होती है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक गंगा के घाटों और धार्मिक स्थलों का भ्रमण करने के लिए नावों का सहारा लेते हैं। ऐसे में नौका संचालन बंद रहने का सीधा असर नाविकों की आमदनी पर पड़ा है। करीब दो महीने से अधिक समय से काम बंद होने के कारण आर्थिक मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं।

बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष का छात्रों ने किया स्वागत, बीएचयू में छात्रसंघ बहाली की उठाई मांग

एजेंसी

वाराणसी। बीएचयू में लंबे समय से बंद छात्र राजनीति और छात्रसंघ व्यवस्था को बहाल कराने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. हेमांग जोशी और उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के बीएचयू आगमन पर छात्र नेता शिवांश सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव कराने और लोकतांत्रिक छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था पुनः स्थापित कराने की मांग प्रमुखता से रखी। छात्र नेता शिवांश सिंह ने दोनों नेताओं से मुलाकात कर बीएचयू में छात्रसंघ चुनाव और निर्वाचित छात्र प्रतिनिधित्व की व्यवस्था बहाल कराने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ की बहाली विश्वविद्यालय के छात्रों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। इस मुद्दे को उचित मंच पर गंभीरता से उठाने की आवश्यकता है, ताकि छात्रों की समस्याओं और उनकी अपेक्षाओं को प्रभावी तरीके से सामने लाया जा सके। उन्होंने कहा कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय देश के प्रमुख केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल है और यहां छात्र राजनीति की समृद्ध परंपरा रही है। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थी लंबे समय तक अपनी शैक्षणिक, प्रशासनिक और छात्रहित से जुड़ी समस्याओं को विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से रखते रहे हैं। शिवांश सिंह ने कहा कि लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों के पास अपनी सामूहिक समस्याओं और मांगों को विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी निर्वाचित मंच का अभाव है। ऐसे में छात्रसंघ की बहाली केवल चुनाव कराने का विषय नहीं, बल्कि छात्रों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि बीएचयू में हजारों छात्र अध्ययन करते हैं और समय-समय पर छात्रावास, पुस्तकालय, शुल्क, शैक्षणिक सुविधाओं, परिसर व्यवस्था तथा अन्य छात्रहित से जुड़े विषय सामने आते रहते हैं। निर्वाचित छात्रसंघ इन मुद्दों को व्यवस्थित ढंग से प्रशासन के समक्ष रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। छात्र नेता ने युवा मोर्चा के राष्ट्रीय और प्रदेश अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे बीएचयू में छात्रसंघ बहाली की मांग को उचित स्तर पर उठाएं और छात्रों की भावनाओं से जुड़े इस विषय पर सकारात्मक पहल करें।

मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी: पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान

नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालांकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूपीएल में दो बार जीत चुकी हैं खिताब

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बना चुकी हैं। उन्होंने 35 मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को 18 में जीत नसीब हुई है, तो 17 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

जिम्बाब्वे सीरीज से शुरू होगा कार्यकाल

स्मृति मंधाना बतौर कप्तान अपने कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगी। इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में हरमनप्रीत कौर को भी जगह दी गई है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत का अनुभव भी मंधाना के काम आएगा। हरमनप्रीत की उम्र 37 साल हो चुकी है और यही वजह है कि चयनकर्ता उनके रिटायरमेंट लेने से पहले मंधाना को कप्तान के तौर पर पूरी तरह से तैयार करना चाहते हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।

अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी बार मैदान पर उतरे मेसी, फैंस को दिया धन्यवाद, बोले-

काश... मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी आखिरी बार राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर खेलने उतरे। मेसी के विदाई मैच में अर्जेंटीना का सामना बेनिन से हुआ जिसमें अर्जेंटीना ने 3-0 की जीत दर्ज की। मैच के बाद मेसी ने फैंस को संबोधित किया और विदाई भाषण दिया। मेसी ने इस दौरान अपने सफर को लेकर बात की और फैंस को लगातार उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

मेसी के लिए यादगार रहा मुकाबला

लियोनल मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला यादगार अंदाज में खत्म किया। ब्यूनस आयर्स के मॉन्यूमेंटल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया। मेसी ने टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया, जबकि एक गोल पेनल्टी पर खुद दागा। विदाई समारोह में लियोनल मेसी ने हाथ में माइक थामा तो पूरा स्टेडियम उनकी बात सुनने के लिए शांत हो गया। मेसी ने अर्जेंटीना की जर्सी में बिताए अपने सफर के मुश्किल दौर से लेकर जीती गई ट्रॉफियों तक को याद किया। मेसी ने कहा, 'काश, मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता।' यह सुनते ही पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। इसके बाद मेसी ने अपने साथियों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सब कुछ दिया। मेसी ने कहा कि उनके साथियों ने उनका सपना पूरा करने में मदद की और विश्व कप, कोपा अमेरिका समेत कई बड़ी ट्रॉफियां जिताने में उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, 'हमने गर्व के साथ खेला और हर टीम के खिलाफ मुकाबला किया। मुझे पता था कि मैं दिग्गजों से घिरा हुआ हूं।'

मेसी ने प्रशंसकों को कहा शुक्रिया

मेसी ने इसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में जहां भी कदम रखा, स्टेडियम हमेशा खचाखच भरे मिले। उन्होंने कहा, 'मैं इन सभी पलों के लिए आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं जहां भी गया, स्टेडियम भरा हुआ था। विश्व कप हो या कोपा अमेरिका, आप हर जगह मौजूद थे। हम जहां भी गए, ऐसा लगा जैसे अपने घर में खेल रहे हों।' मेसी ने कहा कि यहां खेलना उनके जीवन के सबसे खुशहाल पलों में से एक रहा और विश्व कप जीतने के बाद पहली बार खेलने की रात को वह कभी नहीं भूलेंगे।

अगरकर की विदाई बनी भुवी की वापसी का कारण

IPL में प्रदर्शन और चयन समीकरण की कहानी, शमी के लिए भी खुले दरवाजे!

मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है, जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था।

भुवनेश्वर ने 2025 और 2026 के आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट लिए और टीम की लगातार दो आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। 2025 में उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि 2026 के सत्र में उनके खाते में 28 विकेट रहे। नई गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को 2022 में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी20 क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था। लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है।

इतिहास आपको याद रखेगा

अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादों में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अक्तूबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार

खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। *भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेंथ पर गेंद फेंकें, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।*

उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं।'

एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूं।' गावस्कर ने कहा, 'आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में क्या कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं। वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आएगा, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।

श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) और केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशस्वी जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।

गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर खिसके

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।

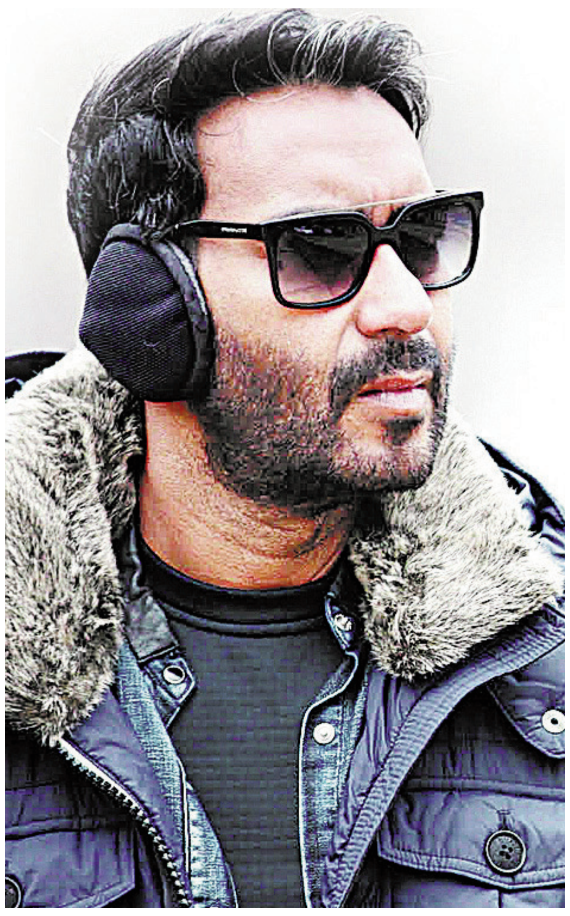

सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

अजय देवगन इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड्डियां अब दर्द होती हैं।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं

उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनैशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पंजाबी, तेलुगु या तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नब्ज पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और क्लास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्ब्स के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुएअजय देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म का सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे खूब पसंद किया। लोगों को उन किरदारों से प्यार होना चाहिए।'

किरदार से अटैच हुए तो पागल हो जाएंगे

क्या इतने लंबे समय तक एक किरदार को बार-बार निभाते हुए अजय उनसे अटैचमेंट भी महसूस करते हैं? इस सवाल पर उनका कहना था, 'नहीं, मैं किरदार के साथ अटैच नहीं होता हूं। हां, आप उस किरदार को पसंद करने लगते हैं लेकिन अगर ऐक्टर्स अपने किरदारों से अटैच होने लगेंगे तो वे पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटैच होना जरूरी है।'

उम्र का असर है, हड्डियां अब दर्द होती हैं

मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड्डियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है। पहले जो मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है।

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनैशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'

काजी तौकीर के साथ लड़ाई पर ईशा रिखी ने दी सफाई

अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस-20' से बाहर आ चुकी है। बाहर आने के बाद उन्होंने बातचीत में कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ अपनी दोस्ती पर भी अपनी बात रखी। ईशा ने कहा कि शुरुआत में काजी के साथ उनकी दोस्ती अच्छी थी लेकिन धीरे-धीरे वह दोस्ती एक अलग ही दिशा में चली गई। ईशा रिखी ने कहा, 'घर में हम कभी भी एक-दूसरे से नफरत नहीं करते थे। बस बात ये थी कि वो दो तरह की पर्सनैलिटी के साथ गेम खेल रहे थे और मैं उसे समझ नहीं पा रही थी। इसलिए मुझे उन्हें समझने में काफी समय लग गया। लोग एक घंटे का एपिसोड देख रहे थे लेकिन हम तो चौबीस घंटे साथ में रह रहे थे, सब कुछ देख रहे थे। यही कारण था कि मैं उन्हे न ही समझ पा रही थी और न ही उनसे कनेक्ट हो पा रही थी। इसी वजह से मैं उन्हें गलत जज कर रही थी या यूं कहूं कि मैं उन्हें समझ ही नहीं पा रही थी।' अभिनेत्री ने यह भी माना कि शो से बाहर आने के बाद काजी को उन्होंने एक अलग तरह से देखा। उन्होंने कहा, 'जब मैं शो से बाहर आई और उनके एपिसोड देखे, तो मैंने उन्हें अलग नजरिए से देखा। मुझे उनकी पर्सनैलिटी बहुत पसंद आई और मुझे ये बात अच्छी लगी कि वह लॉजिकल फाइट्स पर डटे रहे। उनके रिएक्शन लाउड थे, मुझे लगता है कि यह उनके लिए काम कर गया। तो शो में मुझे काजी बहुत पसंद आए। अभिनेत्री से पूछा, 'काजी के साथ आपकी लड़ाई आपकी जर्नी का एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट बन गया। क्या आपको लगता है कि सिचुएशन को बेवजह बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया या आपको लगता है कि आप अलग तरह से रिएक्ट कर सकती थीं?' ईशा रिखी ने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगता है कि असल में जो कुछ हुआ वह ठीस से सामने नहीं आया। जाहिर है, हमारे पास एक एपिसोड में लिमिटेड टाइम होता है। मैं कई बार अपनी तरफ की बात बता चुकी थी। मैंने साफ कर दिया है कि क्या हुआ था। दरअसल, कुछ समय बाद मेरी और काजी की अकेले में बात भी हुई थी और हमारे बीच जो भी गलतफहमियां थीं, वो दूर हो गईं।' उन्होंने कहा, 'शो में जाने के बाद कुछ लोग मुझे जानते थे, तो कुछ ने ऐसे दिखाया कि वे जानते ही नहीं है। हालांकि, मुझे नहीं लगता कि मैं इस बात को ज्यादा तवज्जों दूंगी। हां, अगर लोग मुझे उस नजर से जानते हैं, तो जाहिर है उन्हें मेरे साथ रहना था और मेरी पर्सनैलिटी को जानना था।

भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव पर बात की

कंटेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, ''सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।'' भुवन के कहा, '''ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।''

उन्होंने कहा, ''सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।''

उन्होंने कहा, ''अब 'ढिंढोरा 2' जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। मुझे उम्मीद हैं कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वह इस सीरीज को पसंद करते आए हैं। साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी।''

'हुंकार : द रोअर' की सफलता पर फातिमा सना शेख ने जताया आभार

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार : द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में फातिमा ने सोशल मीडिया पर शो के सेट से कुछ क्क्ष्र तस्वीरें शेयर करते हुए शूटिंग के दिनों को याद किया। उन्होंने एक दिल से लिखा हुआ नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने किरदार ष्टक्क जसलीन सिंह सोइन के बारे में बात की। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक्त शायद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, ''हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी बातचीत का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का शुक्रिया। और जिन्होंने अभी तक इसे नहीं देखा है, उनके लिए... यह जियोहॉस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

'फर्जी 2' को लेकर काफी उत्साहित हूं

शाहिद कपूर स्टारर 'फर्जी 2' सीरीज को लेकर फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब एक्टर भुवन अरोड़ा ने सीरीज को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर के इस अपडेट के बाद सीरीज के नए सीजन को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। हाल ही में इंटरव्यू में भुवन अरोड़ा ने 'फर्जी 2' को लेकर कहा कि वह इस सीरीज में वापस लौटने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। उन्होंने बताया, 'मैं 'फर्जी 2' को लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमारे हिस्से की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह पहले से बड़ा, बेहतर और शानदार है और इस बार पागलपन भी निश्चित तौर पर ज्यादा होगा। मैं खुद को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर काफी लकी महसूस करता हूं।' हालांकि, भुवन अरोड़ा ने सीरीज से जुड़ी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि 'फर्जी' के बारे में विस्तार से बात करने का अभी एक और मौका आएगा।

शादी के बाद प्यार को लेकर मेरी सोच बदल गई है

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है।

अभिनेत्री ने कहा, 'पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम मे हैं।' अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, 'जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है।' अविका गौर ने यह भी बताया कि शादी के बाद प्यार को लेकर उनकी सोच कैसे बदल गई। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्रोसरी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में क्या खाना है, जिम्मेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।'

फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान

पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो 'लॉक अप : सच या सजा' नेटफ्लिक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो 'लॉक अप : सच या सजा' में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कंटेस्टेंट्स जेल के अंदर एंट्री लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कंटेस्टेंट्स को जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी।

नेटफ्लिक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे। 'लॉक अप : सच या सजा' के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।

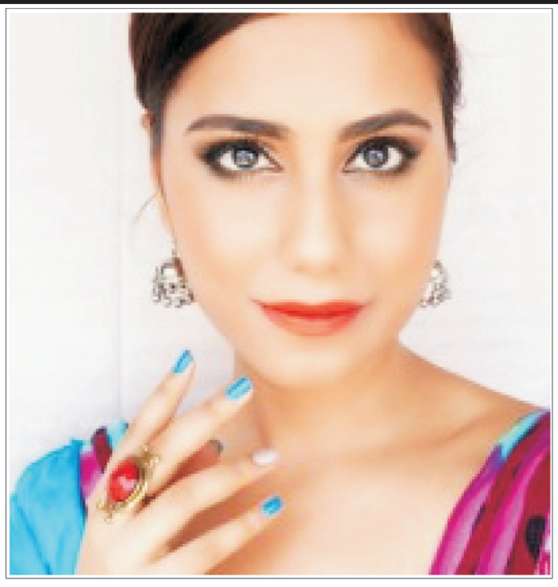

त्योहार पर पाएं दमकती त्वचा

त्योहार के समय वातावरण खुशनुमा, आनंदित और उर्जापूर्ण होता है। बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं, पुरुष सब नए-नए वस्त्र पहनकर जश्न मनाने के मूड में होते हैं और एक दूसरे के साथ उपहार का आदान-प्रदान करते रहते हैं साथ हीं साथ पूजा आराधना भी करते हैं।

त्योहार के समय अच्छे-अच्छे कपड़े तो लोगों को तुरंत और दुकानों पर उपलब्ध हो जाते हैं और उन कपड़ों को पहनने के बाद भी कई महिलाओं को लगता है की उनकी त्वचा रुखी सूखी है जिसकी वजह से उन्हें अपनी सुन्दरता में कमी नजर आती है। और उनके मन के कोने में हमेशा यह बात बैठी रहती है जिसकी वजह से उनके त्योहार का मजा किरकिरा होने लगता है। जी हाँ ! यदि आपकी त्वचा चमकती हुई नहीं है या उनमें रूखापन है तो आपको हमेशा यह डर भी सताता रहेगा की इससे कही आपकी सुन्दरता में कमी न आ जाये। इससे आपका आत्मविश्वास भी कम होगा। जबकि दमकती त्वचा आपकी सुन्दरता में चार चाँद लगा देगी। तो अगर आप घरेलू उपाय से कम से कम समय में त्वचा में निखार पाना चाहती हैं तो नीचे दिए गए उपायों पर अमल करें।

घरेलू प्रयोग

अपनी त्वचा को नियमित रूप से साफ़ करने के लिए जई, जिसे अंग्रेजी में ओट्स कहते हैं, को दूध या दही में मिलाकर घोल बना लें और उसे अपने चेहरे पर मलें । करीबन 10 मिनट बाद उसे धो दें और एक नर्म तौलिये से उसे सुखा दें।

जिनकी त्वचा शुष्क होती है, उन्हें दूध या दही, और ग्लिसरीन और शहद के साथ बादाम चूरा मिलाकर लगाना चाहिए। बादाम और शहद बहुत ही बढ़िया मॉइसचराईज़र होते हैं।

मौसमी फलों का लाभ उठाएं। नारंगियां सौम्य ब्लीचिंग एजेंट होती हैं और स्ट्राबैरी त्वचा के तेल पर नियंत्रण रखती हैं।

त्वचा में पाए गए खुले छिद्र पूरी तरह से बंद नहीं किये जा सकते पर सिकोड़े ज़रूर जा सकते हैं और वह इस तरह अंडे के सफ़ेद भाग और शहद का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मलें और 10 मिनट बाद उसे धो डालें। इससे त्वचा में खुले हुए छिद्र सिकुड़ और कस जायेंगे। और चेहरे के महीन बाल भी गायब हो जायेंगे।

पेशेवर उपचार

अगर आपके पास ऊपर बताये गए नुस्खों के लिए समय नहीं है, तो आप किसी स्पा यानि कि स्वास्थ्य केंद्र की सहायता ले सकती हैं।

आजकल कई स्पा आपके सौंदर्य में चार चांद लगाने के लिए 24 कैरेट स्वर्ण भस्म और नैसर्गिक सामग्रियां जैसे कि दूध, नींबू और चॉकलेट या गुलाब का प्रयोग करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि त्योहार से कम से कम 15 दिन पहले सौंदर्य उपचार कराना चाहिए ताकि त्योहार पर त्वचा की बढ़ी हुई दमक लोग देखते ही रह जाएं। आपको अपनी इस नई दमकती त्वचा के सौंदर्य को बनाये रखने के लिए, सन स्क्रीन का भी उपयोग करना चाहिए। आप अपनी त्वचा को नम रखें, ताकि सौन्दर्य उपचार का प्रभाव लंबे समय तक बना रहे।

पूरे शरीर को सुंदर और कोमल बनाने के लिए हल्दी, अच्छे चन्दन के चूरे और दूध का घोल बनाकर अपने पूरे शरीर पर मल दें और एक तौलिये से लपेट लें और करीबन एक घटे के बाद नहा लें।

यह बॉडी रैप न सिर्फ आपकी त्वचा को आभा प्रदान करता है, बल्कि उसके छिद्रों को भी साफ़ कर देता है। इसके बाद आप अमरुद के गूदे और दही का घोल बनाकर अपने चेहरे पर मल दें और थोड़ी देर बाद धो दें। इससे आपके चेहरे पर रह गए हल्दी के दाग गायब हो जायेंगे। या फिर गाजर के गूदे और दही का घोल बनाकर पूरे शरीर पर मल दें। इससे भी आपके शरीर पर से हल्दी के बचे खुचे निशान मिट जायेंगे।

सफेद बालों से पाएं छुटकारा

सफेद बाल, अगर आप उसका अंगिकार करते हैं सुरुचिपूर्ण और स्टाइलिश हो सकते है। यह व्यक्ति की पसंद पर निर्भर करता है। अगर कोई व्यक्ति सफेद बालों को दिखाना पसंद नहीं करता है, तो वैकल्पिक रूप से उसे छिपा सकते है। यहां सफेद बालों के संकट को हल करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं

किसी की उम्र 16 हैं या 60 साल की है, सफेद बाल हमेशा किसी या अन्य दिन अचानक प्रकट हो सकते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बालों में रंगद्रव्य उत्पादन करने वाले पदार्थ कम होते है, और बालों को किसी भी रंग के बिना छोड़ते है। यह भूरे या सफेद बाल उनके साथ कुछ नई चुनौतियों लाते है, हालाकि इसपर आसान समाधान उपलब्ध हैं और आपके बालों को कुछ

स्टाइलिश और आकर्षक बना सकते हैं।

कुछ लोग केवल कुछ बाल सफेद होने की समस्या का सामना करते हैं, लेकिन यह सफेद हुए बाल भी ऐसे जगह दिखते है, जहां सबका ध्यान आकर्षित होता हैं। इन सफेद बालों के संकट को दूर करने का एक समाधान है, इन बालों को उखाड़ देना। क्योंकि सफेद बाल अधिक सूखे और भंगुर होते हैं, अगर कोई एक आकर्षक केश रचना करता है, तो भी वे काटे की तरह खड़े रह सकते हैं। इसलिए, अगर आपके ज्यादा बाल सफेद नही हैं, तो आपको उन्हें उखाड़ना चाहिए। इस आम धारणा के विपरीत, की अगर आप एक सफेद बाल उखाड़ेंगे तो उस जगह दो नये सफेद बाल उगेंगे। यदि आपके बाल जल्दी सफेद हो रहे है, तो जब भी आप बाल उखाड़ते है, तो ऐसा लग सकता है, की सफेद बालों की संख्या हर बार आपके बाल उखाड़ने पर बढ़ रही है, लेकिन ऐसा नही है, चाहे आप पहले बाल उखाड़े या नही उनका बढ़ना शुरु रहेगा।

कुछ ऐसे मामले है, जहा लोगों को सफेद बालों को रंगने में समस्या का सामना करना पड़ता हैं। चाहे आप अपने बालों को खुद रंगाए या एक पेशेवर से रंगाए, स्टाइलिस्ट आपको आपके लिए क्या सबसे अच्छा रहेगा इस पर सुझाव दे सकते हैं। आपके रंगों की पसंद के बारे में अपने स्टाइलिस्ट से बात करें, बाजार में कई प्रकार के रंग आज उपलब्ध हैं, कई महिलाओं को उनके प्राकृतिक बालों के रंग से एक या दो शेड हल्का गहरा रंग आसानी से मिल सकता हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया है, अगर आपके सफेद बाल उखाड़ने से परे बहुत ज्यादा व्यापक है, लेकिन समान रूप से वितरित है और आपके बालों का प्राकृतिक रंग अभी भी प्रमुख है, तो स्टाइलिस्ट आपके सफेद बालों को अलग से रंग कर हायलाइट या लोलाईट करके मिश्रित कर सकते है।

कभी कभी, सफेद बालों के संकट के साथ लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह सालों तक बालों को छुपाते है। और अब क्योंकि लगभग सभी बाल सफेद हो जाते हैं, उनको उन्हे अपने प्राकृतिक रंग में बनाने की इच्छा होती हैं। इस के लिए एक समाधान है, कि जब सफेद बालों कों वास्तव में रंग का अभाव होता है, तब आपके सफेद बालों को रंगना और अधिक मुश्किल होगा। इसलिए, आप रंगों के शेड में क्त्रमिक बदलाव कर सकते है, जब आपके सफेद बाल बढ़ते है, तब सफेद बालों को रंगानें वाले साधनों का धीर-धीरे इस्तेमाल करे। वैकल्पिक रुप में आप बालों की जडों पर अस्थायी या अर्ध स्थायी रंगों से रंग सकते हैं। यहां आपकी मदद करने वाले उत्पाद आपके सफेद बालो को छुपाएंगे और बहुत बार शैंपू कर के रंग निकालने के बजाय और एक बार धोने से रंग के निकल जाने के बाद आप तय कर सकते हैं कि क्या आपको किसी अन्य अनुप्रयोग की आवश्यकता है। आप जिसका भी चुनाव करे, एक कम समय की केश रचना परिवर्तन समय को कम करने में मदद करेगी।

हर दिन लगे ब्यूटीफुल

खूबसूरत दिखना हर किसी की प्राथमिकता नहीं हो सकती। अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे। मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञा विद्या टिकारी के अनुसार मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।

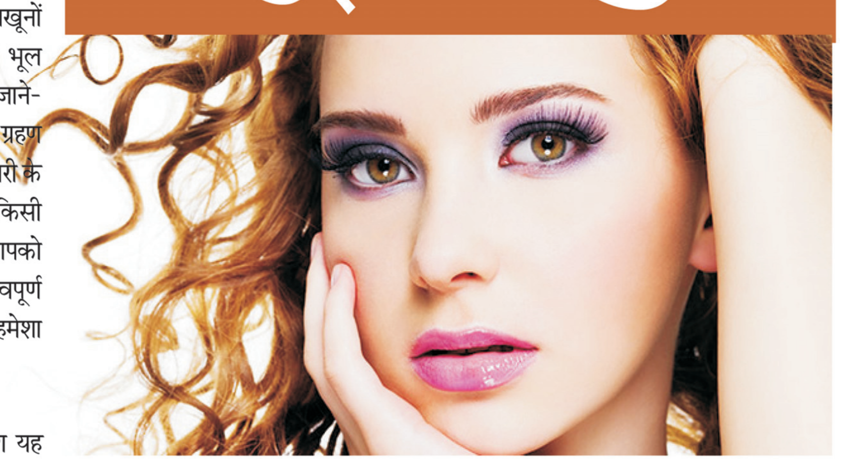

उखडी हुई नेलपॉलिश

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

सफेद बाल

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीक्ड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

रूखे, बिखरे बाल

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

फैली हुई लिपस्टिक

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

बिगडी हुई आइब्रोज

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

अपर लिप

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल हैं और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।